▪ RNI No. : TNHIN/2013/5252 ▪ वर्ष - 13 ▪ अंक - 121 ▪ पृष्ठ - 8 ▪ रु. 5/- चेन्नई » मंगलवार » 25-11-2025 ▪ www.dakshinbharat.com ▪ Email : chennai@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷின் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

5 हमारे मौजूदा खिलाड़ियों को शारीरिक तौर पर और बेहतर होना होगा : साइना नेहवाल

6 श्रीराम की नगरी में ध्वजारोहण : सनातन परंपरा के पुनर्जागरण का क्षण

7 'धुरंधर' ऐसी फिल्म, जो कहानी कहने का तरीका बदल देगी : गीतिका गंजू

फर्स्ट टेक

'हैमर' हथियार प्रणाली के लिए फ्रांसीसी कंपनी के साथ समझौता हुआ

नई दिल्ली/भाषा। भारत में रक्षा सार्वजनिक क्षेत्र के एक प्रमुख उपक्रम और एक फ्रांसीसी कंपनी ने भारत में सटीक लक्ष्यभेदी हथियार प्रणाली 'हैमर' (हाइली एजाइल मॉड्यूलर म्यूनिशन एक्सटेंडेड रेंज) के उत्पादन के लिए एक संयुक्त उद्यम सहयोग समझौते (जेवीसीए) पर सोमवार को हस्ताक्षर किए। रक्षा मंत्रालय ने यह जानकारी दी। बयान के मुताबिक, हैमर एक ऐसा हथियार है, जिसे युद्ध में प्रभावी साबित किया जा चुका है। यह बहुत सटीक निशाना लगाने वाला और अलग-अलग प्रकार के विमानों पर इस्तेमाल किए जाने लायक ढांचा रखता है। इसकी बनावट ऐसी है कि इसे राफेल लड़ाकू विमान से लेकर हल्के लड़ाकू विमान तेजस तक कई प्लेटफ़ॉर्म पर लगाया जा सकता है।

पाकिस्तान में अर्धसैनिक बल मुख्यालय पर आत्मघाती हमला

पेशावर/भाषा। पाकिस्तान में अफगानिस्तान सीमा से लगे खैबर पख्तूनख्वा प्रांत की राजधानी पेशावर में सोमवार को एक अर्द्धसैनिक बल के मुख्यालय पर हुए आत्मघाती हमले में कम से कम तीन सुरक्षाकर्मी मारे गए और 12 घायल हो गए। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी। शहर के पुलिस प्रमुख मियां सईद अहमद ने संवाददाताओं को बताया कि तीन आत्मघाती हमलावरों ने संघीय कांस्टेबुलरी (एफसी) मुख्यालय पर उस समय हमला करने का प्रयास किया, जब दर्जनों सैनिक सुबह की परेड की तैयारी कर रहे थे। जवाबी गोलीबारी में आत्मघाती हमलावर भी मारे गए।

अरुणाचल प्रदेश की महिला का चीन के हवाई अड्डे पर उत्पीड़न, भारत ने जताया विरोध

ईटानगर/नई दिल्ली/भाषा। ब्रिटेन में रहने वाली अरुणाचल प्रदेश की एक महिला ने आरोप लगाया है कि चीन के शंघाई हवाई अड्डे पर आव्रजन अधिकारियों ने पारगमन ठहराव के दौरान उनके भारतीय पासपोर्ट को मानने से इनकार करने के बाद उन्हें लगभग 18 घंटे तक हिरासत में रखा, जिससे बीजिंग द्वारा भारत की क्षेत्रीय संप्रभुता को चुनौती देने के बार-बार के प्रयासों से चिंताएं बढ़ गई हैं। प्रेमा वांगजोम थोंगडोक ने दावा किया कि 21 नवंबर को वह लंदन से जापान की यात्रा कर रही थीं और उनके तीन घंटे का निर्धारित ठहराव एक भयावह अनुभव में बदल गया जब आव्रजन कर्मियों ने उनके पासपोर्ट को केवल इसलिए 'अवैध' घोषित कर दिया क्योंकि उसमें अरुणाचल प्रदेश को उनके जन्मस्थान के रूप में सूचीबद्ध किया गया था।

भारत ने ढाका में महिला कबड्डी विश्व कप जीता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

ढाका/भाषा। भारतीय महिला कबड्डी टीम ने सोमवार को चीनी ताइपै को 35 . 28 से हराकर लगातार दूसरा विश्व कप खिताब जीत लिया । भारत 11 देशों के टूर्नामेंट में शीर्ष पर रहा ।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने टीम को बधाई देते हुए एक्स पर लिखा ,'' भारतीय महिला कबड्डी टीम को विश्व कप 2025 जीतकर देश को गौरवान्वित करने के लिये बधाई । उन्होंने जबर्दस्त कौशल, प्रतिबद्धता और दृढता का प्रदशन किया । उनकी जीत से अनगिनत युवाओं को कबड्डी खेलने, बड़े सपने देखने और ऊंचे लक्ष्य तय करने की प्रेरणा मिलेगी ।''

भारत ने सेमीफाइनल में ईरान को 33 . 21 से हराया था । दूसरी ओर चीनी ताइपै ने बांग्लादेश को 25 . 18 से मात दी थी ।

गृहमंत्री अमित शाह ने टीम को बधाई देते हुए एक्स पर लिखा ,'' हमारी महिला कबड्डी टीम ने इतिहास रचाा जो गर्व का पल है । पूरी टीम को महिला कबड्डी विश्व कप जीतने पर बधाई । आपकी शानदार जीत ने फिर साबित कर दिया कि भारत की खेल प्रतिभायें शिखर पर क्यो हैं । भविष्य के लिये शुभकामनायें ।''

लीग चरण में भारत ने थाईलैंड, बांग्लादेश, जर्मनी और युगांडा को मात दी थी । मार्च में एशियाई चैम्पियनशिप जीतने के बाद भारत का यह दूसरा बड़ा खिताब है ।

हिंदी सिनेमा के चहेते अभिनेता धर्मेंद्र का 89 साल की उम्र में निधन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। ''सत्यकाम'' से लेकर ''शोले'' तक 300 से ज्यादा फिल्मों में काम करके मनोरंजन जगत में एक अलग मुकाम हासिल करने वाले दिग्गज अभिनेता धर्मेंद्र का सोमवार को यहां उनके 90वें जन्मदिन से कुछ दिन पहले निधन हो गया।

अपने जीवन का अधिकांश समय फिल्मी दुनिया की चकाचौंध में बिताने वाले इस बेहद लोकप्रिय अभिनेता का अंतिम संस्कार मुंबई के विले पार्ले उपनगर स्थित पवन हंस श्मशान घाट पर किया गया। धर्मेंद्र के परिवार ने उनकी मृत्यु पर कोई टिप्पणी नहीं की।

धर्मेंद्र आठ दिसंबर को अपना 90वां जन्मदिन मनाते। धर्मेंद्र (89) पिछले कुछ समय से अस्वस्थ थे और अस्पताल में भर्ती थे। अंततः 12 नवंबर को, जब कई मीडिया संस्थानों ने उनकी मृत्यु की खबर दी और उनके नाराज परिवार ने गोपनीयता का अनुरोध किया, तो उन्हें अस्पताल से छुट्टी दे दी गई और जुहू स्थित उनके घर ले जाया गया, जहां उन्होंने अंतिम सांस ली।

परिवार की ओर से चुप्पी बनाए रखने के बीच, उनके आवास के बाहर मौजूद कैमरा दल और अन्य लोग गेट से बाहर निकलती एंबुलेंस और कई गाड़ियों को देखकर कयास लगाने लगे।

कुछ देर बाद उनकी पत्नी हेमा मालिनी और बेटी ईशा देओल, साथ ही फिल्म उद्योग से जुड़े अमिताभ बच्चन और उनके पुत्र अभिषेक बच्चन, आमिर खान, शाहरुख खान, सलमान खान और उनके पिता सलीम खान को श्मशान घाट पर देखा गया।

अनिल कपूर, संजय दत्त, अक्षय कुमार, रणवीर सिंह, दीपिका पादुकोण, जैकी श्रॉफ और शबाना आज़मी भी अंतिम संस्कार के दौरान उपस्थित रहे।

"धर्मेंद्र जी का निधन भारतीय सिनेमा के एक युग का अंत है। वे एक प्रतिष्ठित फ़िल्मी शख्सियत, एक अद्भुत अभिनेता थे जिन्होंने अपने हर किरदार में आकर्षण और गहराई पैदा की। जिस तरह से धर्मेन्द्र ने विविध भूमिकाएं निभाईं, उसने अनगिनत लोगों के दिलों में गहरी छाप छोड़ी। धर्मेंद्र जी अपनी सादगी, विनम्रता और गर्मजोशी के लिए भी जाने जाते थे। इस दुख की घड़ी में, मेरी संवेदनाएं उनके परिवार, दोस्तों और असंख्य प्रशंसकों के साथ हैं। ॐ शांति। – प्रधानमंत्री

"महान अभिनेता धर्मेंद्र जी के निधन का समाचार अत्यंत दुखद है और भारतीय कला जगत के लिए अपूरणीय क्षति है। सिनेमा में लगभग सात दशकों के उनके अद्वितीय योगदान को हमेशा सम्मान और मोहब्बत के साथ याद रखा जाएगा। धर्मेंद्र जी को अपनी भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं। इस दुख की घड़ी में मेरी संवेदनाएं उनके शोकाकुल परिवार, मित्रों और प्रशंसकों के साथ हैं।

– राहुल गांधी

सशस्त्र बलों की ताकत तालमेल में निहित है : जनरल द्विवेदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। थल सेना प्रमुख जनरल उपेन्द्र द्विवेदी ने सोमवार को कहा कि सशस्त्र बलों की ताकत तालमेल में निहित है और ऑपरेशन सिंदूर इसका उपयुक्त उदाहरण है।

जनरल द्विवेदी ने कहा, ''हमारे सशस्त्र बलों की ताकत तालमेल में निहित है।'' उन्होंने कहा कि समुद्र, भूमि और आकाश राष्ट्रीय सुरक्षा की एक सतत शृंखला बनाते हैं और थल सेना, नौसेना और वायु सेना मिलकर भारत की सामरिक शक्ति की त्रिमूर्ति हैं। उन्होंने कहा कि बहु-क्षेत्रीय परिचालन के युग में समुद्र की गहराई से लेकर ऊंचाई वाले सीमावर्ती क्षेत्रों तक एक साथ मिलकर कार्य करने की देश की क्षमता भारतीय गणराज्य के सुरक्षा प्रभाव को निर्धारित करेगी। उन्होंने कहा कि भारतीय सशस्त्र बल लद्दाख से लेकर हिंद महासागर तक सूचना युद्ध से लेकर संयुक्त रसद तक हर क्षेत्र में सक्रिय हैं। जनरल द्विवेदी ने कहा, ''ऑपरेशन सिंदूर सशस्त्र बलों के तालमेल का एक उपयुक्त उदाहरण था।''

भारत ने अप्रैल 2025 में हुए पहलगाम आतंकी हमले के बाद पाकिस्तान में आतंकी बुनियादी ढांचे को निशाना बनाकर ऑपरेशन सिंदूर के तहत सैन्य कार्रवाई की थी। पहलगाम हमले में 26 लोग मारे गए थे।

जनरल द्विवेदी ने कहा कि भारतीय सेना ने परिवर्तन के व्यापक ढांचे के तहत कई पहल शुरू की हैं, जिनमें संयुक्तता और एकीकरण महत्त्वपूर्ण स्तंभ हैं। उन्होंने कहा कि भारतीय सेना ने यह माना है कि आधुनिक संघर्ष बहु-क्षेत्रीय, 'हाइब्रिड' होंगे और इसके लिए राष्ट्रीय शक्ति की एकजुटता आवश्यक होगी। एक अधिकारी ने कहा कि यह पहला मौका था जब किसी नौसैन्य पोत के जलावतरण समारोह में सेना प्रमुख उपस्थित थे। उन्होंने बताया कि आईएनएस माहे के बेड़े में शामिल होने के बाद जनरल द्विवेदी ने उन नौसेना कर्मियों को 'चीफ ऑफ आर्मी स्टाफ' (सीओएएस) प्रशस्ति पत्र भी प्रदान किया।

छत्तीसगढ़ के सुकमा में 15 नक्सलियों ने किया आत्मसमर्पण

सुकमा/भाषा। छत्तीसगढ़ के सुकमा जिले में 15 नक्सलियों ने सुरक्षाबलों के सामने आत्मसमर्पण कर दिया जिनमें से नौ नक्सलियों पर कुल मिलाकर 48 लाख रुपए का इनाम घोषित था। पुलिस अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों के अनुसार जिले में 'पीपुल्स लिबरेशन गुरिल्ला आर्मी' (पीएलजीए) बटालियन क्रमांक एक में सक्रिय चार नक्सलियों सहित विभिन्न क्षेत्रों में सक्रिय कुल 15 नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया जिनमें पांच महिला नक्सली भी शामिल हैं। उन्होंने बताया कि आत्मसमर्पण करने वालों में माड़वी सन्ना (28), सोड़ी हिड़मे (25), सूर्यम उर्फ रव्वा सोमा (30) और मीना उर्फ माड़वी भीमे (28) पर आठआठ लाख रुपए, सुनिता उर्फ कुहराम हुंगी (35) और मड़कम पांडू (30) पर पांच-पांच लाख रुपए का इनाम घोषित था। इसके अलावा तीन अन्य नक्सलियों पर तीन से एक लाख रुपए तक का इनाम घोषित था।

स्वदेश निर्मित पनडुब्बी रोधी युद्धक जहाज

आईएनएस माहे भारतीय नौसेना में शामिल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। भारतीय नौसेना ने सोमवार को आईएनएस माहे को अपने बेड़े में शामिल किया, जो माहे श्रेणी का पहला पनडुब्बी रोधी युद्धक जहाज है। इस जहाज के सेवा में शामिल होने से नौसेना की युद्ध क्षमता में वृद्धि होने की उम्मीद है। सेना प्रमुख जनरल उपेन्द्र द्विवेदी आईएनएस माहे के जलावतरण के अवसर पर मुख्य अतिथि थे। यह जलपोत उथले जल के स्वदेशी लड़ाकू जहाजों की नई पीढ़ी का प्रतीक है।

जनरल द्विवेदी ने कहा कि आईएनएस माहे का जलावतरण न केवल देश की समुद्री युद्ध व्यवस्था में एक शक्तिशाली नए पोत के शामिल होने का प्रतीक है, बल्कि यह स्वदेशी प्रौद्योगिकियों के साथ जटिल लड़ाकू जहाजों को डिजाइन करने, निर्माण करने और तैनात करने की भारत की समुद्री क्षमता को भी दिखाता है। उन्होंने कहा कि इसके सेवा में शामिल होने से भारतीय नौसेना की समुद्री प्रभुत्व सुनिश्चित करने, तटीय सुरक्षा तंत्र को मज़बूत करने और देश के विशाल तटीय जलक्षेत्र में भारत के समुद्री हितों की रक्षा करने की क्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि होगी। सेना प्रमुख ने कहा कि यह नौसेना में निरंतर परिवर्तन की भी पुष्टि करता है, जो अपने लड़ाकू प्लेटफ़ॉर्म का डिज़ाइन, निर्माण और रखरखाव स्वयं करती है।

एक अधिकारी ने बताया कि यह पहली बार था कि नौसेना के किसी जहाज के जलावतरण के अवसर पर सेना प्रमुख मौजूद थे।

अधिकारी ने बताया कि समारोह के बाद जनरल द्विवेदी ने जहाज को नौसेना में शामिल करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले नौसेना कर्मियों को चीफ ऑफ आर्मी स्टाफ (सीओएएस) प्रशस्ति पत्र भी प्रदान किया। उन्होंने कहा कि यह एक दुर्लभ उपलब्धि है, जो आने वाले दिनों में और अधिक देखने को मिलेगी, क्योंकि सेना के तीनों अंगों के बीच तालमेल का स्तर बढ़ रहा है।

जनरल द्विवेदी ने कहा कि भारतीय नौसेना पड़ोस के साथ-साथ दूर-दराज के देशों में वैश्विक परिवेश में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है, जहां सेना के प्रयास सौम्य और कठोर कूटनीति में पूरक और सहयोगी दोनों भूमिका निभा सकते हैं। उन्होंने इसे स्मार्ट कूटनीति बताया। नौसेना ने कहा, माहे श्रेणी का पोत तटीय रक्षा की पहली पंक्ति का निर्माण करेगा, जो बड़े लड़ाकू जहाजों, पनडुब्बियों और विमानन परिसंपत्तियों के साथ एकीकृत होकर भारत के समुद्री परिचालन क्षेत्रों पर निरंतर निगरानी बनाए रखेगा।

न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने ली 53वें प्रधान न्यायाधीश के तौर पर शपथ, 15 माह देंगे सेवाएं

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने सोमवार को भारत के 53वें प्रधान न्यायाधीश के तौर पर शपथ ली।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने राष्ट्रपति भवन में एक समारोह में न्यायमूर्ति सूर्यकांत को शपथ दिलाई और उन्होंने हिंदी में शपथ ली। न्यायमूर्ति सूर्यकांत को न्यायमूर्ति बी आर गवई के स्थान पर न्यायपालिका के सर्वोच्च पद पर नियुक्त किया गया है। न्यायमूर्ति गवई रविवार को सेवानिवृत्त हो गए। न्यायमूर्ति सूर्यकांत को 30 अक्टूबर को अगला प्रधान न्यायाधीश नियुक्त किया गया था और वह लगभग 15 महीने तक इस पद पर रहेंगे। वह नौ फरवरी 2027 को 65 वर्ष की उम्र होने पर यह पद छोड़ देंगे। उपराष्ट्रपति सी पी राधाकृष्णन और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी समेत कई वरिष्ठ नेता इस समारोह में शामिल हुए।

शपथ लेने के तुरंत बाद न्यायमूर्ति सूर्यकांत प्रधानमंत्री मोदी का अभिवादन करने उनके पास गए। बाद में, प्रधानमंत्री मोदी ने 'एक्स' पर शपथ ग्रहण समारोह की तस्वीरें साझा कीं।

भारत के साथ द्विपक्षीय व्यापार बढ़ाने को इच्छुक अफगानिस्तान : मंत्री अजीजी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। अफगानिस्तान के वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री अलहाज नूरुद्दीन अजीजी ने सोमवार को कहा कि अफगानिस्तान से एक वाणिज्यिक अताशे एक महीने के भीतर भारत आ सकते हैं। उन्होंने कहा कि काबुल द्विपक्षीय व्यापार को बढ़ाने को इच्छुक है। अजीजी ने यहां संवाददाताओं से बातचीत में कहा कि निजी निवेश के मामले में दोनों पक्षों की ओर से 'दृढ़ इच्छा शक्ति' है। उन्होंने 21 नवंबर को भारतीय कंपनियों को अफगानिस्तान में निवेश करने के लिए आमंत्रित किया और द्विपक्षीय व्यापार को बढ़ावा देने और आर्थिक सहयोग को प्रगाढ़ बनाने के लिए अनुकूल माहौल का वादा किया। अजीजी ने कहा कि खनन, कृषि, स्वास्थ्य एवं औषधि, सूचना प्रौद्योगिकी, ऊर्जा और वस्त्र उद्योग जैसे क्षेत्रों में वाणिज्यिक जुड़ाव के महत्वपूर्ण अवसर मौजूद हैं।

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री एक उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल के साथ पिछले सप्ताह देश की पांच दिवसीय यात्रा पर नई दिल्ली पहुंचे। अफगान दूतावास में आयोजित संवाददाता सम्मेलन में अजीजी ने हाल ही में लिए गए उस फैसले का जिक्र किया जिसके तहत भारत और अफगानिस्तान ने एक-दूसरे की राजधानियों में अलग से वाणिज्यिक अताशे नियुक्त करने का फैसला किया है ताकि द्विपक्षीय व्यापार को बढ़ाया जा सके, जो फिलहाल एक अरब अमेरिकी डॉलर से ज्यादा है।

यह फैसला अजीजी और वाणिज्य एवं उद्योग राज्यमंत्री जितिन प्रसाद के बीच एक द्विपक्षीय बैठक के दौरान लिया गया। उन्होंने कहा कि अफगानिस्तान के वाणिज्यिक अताशे के एक महीने में यहां पहुंचने की उम्मीद है। मंत्री ने यह भी कहा कि अफगानिस्तान भारत के साथ द्विपक्षीय व्यापार को बढ़ाने को इच्छुक है। इससे पहले, अजीजी एक कार्यक्रम में विभिन्न क्षेत्रों में निवेश आमंत्रित करते हुए कहा कि उनकी सरकार सोने के खनन सहित नए क्षेत्रों में निवेश करने वाली कंपनियों को पांच साल की कर छूट देने के लिए तैयार है।

25-11-2025 सूर्यास्त 5:39 बजे | 26-11-2025 सूर्योदय 6:12 बजे

BSE	NSE
84,900.71	25,959.50
(-331.21)	(-108.65)

सोना	चांदी
12,878 रु.	175,000 रु.
(24 कैरेट) प्रति ग्राम	प्रति किलो

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

व्याकुल प्रतिभाएं

नक्काल हो रहे हाईटेक,
प्रतिभाएं व्याकुल पढ़ने से।
आरक्षित कोटे रोक रहे,
मेधा को आगे बढ़ने से।
हो रहा पतन विद्वानों का,
नेताओं के मद चढ़ने से।
मच रही लूट आपाधापी,
अपने-अपने हित गढ़ने से।।

भारत, कनाडा एफटीए वार्ता फिर शुरू करने पर सहमत : गोयल

नई दिल्ली/भाषा। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि भारत और कनाडा मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) के लिए बातचीत फिर से शुरू करने पर सहमत हो गए हैं। इसका मकसद 2030 तक द्विपक्षीय व्यापार को 50 अरब डॉलर तक बढ़ाना है। गोयल ने सोमवार को यहां एक कार्यक्रम में कहा कि एफटीए या व्यापक आर्थिक भागीदारी समझौते (सीईपीए) में कई रणनीतिक पहलू होते हैं और यह दोनों देशों के बीच विश्वास को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि इस समझौते से दोनों पक्षों के निवेशकों और कारोबारियों का विश्वास बढ़ेगा। मंत्री ने कहा, '' हम उच्च-महत्वाकांक्षी सीईपीए पर वार्ता शुरू करने और 2030 तक दोनों देशों के बीच व्यापार को दोगुना करने पर सहमत हुए हैं।''

'भारत कई धर्मों का जन्मस्थान है'

नई दिल्ली/भाषा। उपराष्ट्रपति सी पी राधाकृष्णन ने सोमवार को कहा कि देश की परंपराएं और रीति-रिवाज हमेशा 'संतुलन' पर केंद्रित रहे हैं और भारत अपनी अनूठी सभ्यतागत विशेषता के कारण अनेक धर्मों का जन्मस्थान रहा है, साथ ही इसने अपनी धरती पर शरण लेने वाली हर परंपरा को अपनाया है। राधाकृष्णन ने यहां वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिये दक्षिणाम्नाय शृंगेरी शारदा पीठम के जगद्गुरु शंकराचार्य विधुशेखर भारती सन्निधानम के 'नागरिक सम्मान' समारोह को संबोधित करते हुए आदि शंकराचार्य की विरासत का उल्लेख किया।

आपराधिक न्याय तंत्र के दुरुपयोग की निंदा की जानी चाहिए: उच्चतम न्यायालय

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। उच्चतम न्यायालय ने असफल या टूटे रिश्तों को बलात्कार जैसे अपराध का रंग देने की 'चिंतनीय पहलू' की ओर इशारा करते हुए सोमवार को कहा कि इस संबंध में आपराधिक न्याय तंत्र का दुरुपयोग चिंता का विषय है और इसकी निंदा की जानी चाहिए।

शीर्ष अदालत ने एक कथित बलात्कार मामले में दर्ज प्राथमिकी निरस्त करते हुए कहा कि हर खराब रिश्ते को बलात्कार के अपराध में बदलना न केवल अपराध की गंभीरता को कम करता है, बल्कि आरोपी के दामन को कलंकित करता है और उसके साथ गंभीर अन्याय करता है। न्यायमूर्ति बी.वी. नागरत्ना और न्यायमूर्ति आर. महादेवन की पीठ ने कहा कि बलात्कार का अपराध सबसे गंभीर प्रकार का है और केवल उन्हीं मामलों में लागू किया जाना चाहिए, जहां वास्तविक यौन हिंसा, जबरन या स्वतंत्र सहमति का अभाव हो।

पीठ ने कहा कि किसी रिश्ते के दौरान हुई शारीरिक अंतरंगता को सिर्फ़ इसलिए बलात्कार का अपराध नहीं माना जा सकता, क्योंकि वह रिश्ता शादी में परिणत नहीं हो पाया। पीठ ने यह भी कहा कि कानून को उन वास्तविक मामलों के प्रति संवेदनशील रहना चाहिए जहां भरोसे का कत्ल हुआ हो और सम्मान का हनन हुआ हो। शीर्ष अदालत ने कहा, ''इस अदालत ने कई मौकों पर उस चिंतनीय प्रवृत्ति पर ध्यान दिया है, जिसमें असफल या टूटे हुए रिश्तों को आपराधिकता

का रंग दे दिया जाता है।'' पीठ ने मुंबई उच्च न्यायालय के औरंगाबाद पीठ की ओर से मार्च 2025 में दिए गए आदेश के विरुद्ध एक व्यक्ति द्वारा दायर अपील पर अपना फैसला सुनाया। उच्च न्यायालय ने छत्रपति संभाजीनगर शहर में अगस्त 2024 में दर्ज एक प्राथमिकी को रद्द करने संबंधी उसकी याचिका खारिज कर दी थी। इसने कहा कि मामले में बलात्कार का आरोप पूरी तरह से शिकायतकर्ता के इस दावे पर आधारित है कि व्यक्ति ने शादी का झूठा झांसा देकर उसके साथ शारीरिक संबंध बनाए।

पीठ ने कहा, ''हमारा मानना है कि वर्तमान मामला ऐसा नहीं है जहां अपीलकर्ता (पुरुष) ने प्रतिवादी संख्या-दो (महिला) को केवल शारीरिक सुख के लिए बहलाया-फुसलाया और फिर गायब हो गया। यह रिश्ता तीन साल तक चला, जो एक लंबी अवधि है।''

न्यायालय ने कहा कि ऐसे मामलों में, किसी सक्रिय रिश्ते के दौरान हुई शारीरिक अंतरंगता को केवल इसलिए बलात्कार के अपराध के रूप में पूर्वव्यापी रूप से चिह्नित नहीं किया जा सकता, क्योंकि रिश्ता विवाह में परिणत नहीं हो पाया। इसने कहा, ''न्यायालय उस सामाजिक संदर्भ के प्रति सचेत है जिसमें हमारे जैसे देश में विवाह संस्था का गहरा सामाजिक और सांस्कृतिक महत्व है।'' पीठ ने कहा कि कानून को उन वास्तविक मामलों के प्रति संवेदनशील रहना चाहिए, जहां विश्वास का उल्लंघन हुआ हो और सम्मान का हनन हुआ हो, अन्यथा पूर्ववर्ती भारतीय दंड संहिता (आईपीएस) की धारा 376 (बलात्कार के लिए दंड) का सुरक्षात्मक दायरा वास्तव में पीड़ित लोगों के लिए महज औपचारिकता बनकर रह जाएगा। पीठ ने कहा कि उच्च न्यायालय यह समझने में विफल रहा कि प्राथमिकी को पढ़ने से ही पता चलता है कि पक्षों के बीच अंतरंग संबंध वास्तव में सहमति से बने थे। इसने कहा कि इस मामले में जिन कृत्यों की शिकायत की गई है, वे उस समय स्वेच्छा से किए गए रिश्ते के दायरे में हुए थे।

चौहान ने कृषि वैज्ञानिकों से व्यवहारिक समाधान पर शोध केन्द्रित करने का आग्रह किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने सोमवार को कृषि वैज्ञानिकों से शोध को व्यावहारिक समाधानों पर केन्द्रित करने का आग्रह किया, जिससे किसानों को फायदा हो, आजीविका सुनिश्चित हो और पौष्टिक भोजन और प्राकृतिक खेती को बढ़ावा मिले।

छठे इंटरनेशनल एग्रोनॉमी कांग्रेस (आईएसी-2025) के अपने उद्घाटन भाषण में, चौहान ने खराब बीज की गुणवत्ता, मिलावटी आदान सामग्री, जलवायु अनुकूल समावेशन, दलहन और तिलहन उत्पादन में वृद्धि, दालों पर वायरस के हमले, मिट्टी में जैविक कार्बन की कमी और सीधे बोए गए चावल की समस्याओं जैसी चुनौतियों का समाधान करने की आवश्यकता पर जोर दिया। एक सरकारी बयान के अनुसार, उन्होंने मशीनीकरण, किसानों के लिए कार्बन क्रेडिट, पानी की बचत करने वाली खेती, ड्रोन प्रौद्योगिकी, स्मार्ट कृषि, एआई और मशीन लर्निंग जैसी तरक्की का पता लगाने की आवश्यकता पर जोर दिया, साथ ही यह सुनिश्चित करने पर भी जोर दिया कि किसानों को इन प्रौद्योगिकियों का लाभ मिले। कृषि मंत्री ने कृषि उत्पादों के खराब न होने की समयावधि बढ़ाने सहित कार्रवाई योग्य समाधानों पर शोध केंद्रित करने की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने पर्यावरण बचाने की सांस्कृतिक अहमियत, सभी जीवों का सम्मान और आने वाली पीढ़ियों के लिए रसायन उर्वरकों का इस्तेमाल कम करने की जरूरत पर भी ज़ोर दिया। तीन दिन का यह वैश्विक कार्यक्रम किसानों की रोज़ी-रोटी और पर्यावरण की सुरक्षा को सुरक्षित रखने वाले टिकाऊ, जलवायु अनुकूल कृषि प्रणाली के लिए 'एग्रोनॉमी' को फिर से देखने पर ध्यान केन्द्रित करता है, जिसमें राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय कृषि विज्ञान क्षेत्र के अगुवा लोगों की बड़ी हिस्सेदारी होगी।

अवैध कॉल सेंटर से जुड़े साइबर धोखाधड़ी मामले में मुख्य आरोपी गिरफ्तार : सीबीआई

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने सोमवार को कहा कि अवैध कॉल सेंटर से जुड़े एक साइबर धोखाधड़ी मामले में मुख्य आरोपी को गिरफ्तार किया गया है। सीबीआई के अनुसार, ये कॉल सेंटर कथित तौर पर अमेरिकी नागरिकों को निशाना बनाते थे। एजेंसी ने बताया कि 'वीसी इंफ्रोमेट्रिक्स प्राइवेट लिमिटेड' नामक कंपनी की अवैध गतिविधियों में शामिल आरोपी विकास कुमार निमर को पिछले हफ्ते लखनऊ से गिरफ्तार किया गया। वह एक वर्ष से अधिक समय से फरार था। आरोपी की लखनऊ स्थित उसके आवास पर मौजूदगी की जानकारी मिलने पर एजेंसी ने पिछले हफ्ते वहां छापेमारी की। छापे के दौरान निमर कथित तौर पर एक और अवैध कॉल सेंटर संचालित करते हुए मिला। बयान में कहा गया कि इस कॉल सेंटर के जरिए अमेरिकी नागरिकों को निशाना बनाया जा रहा था। सीबीआई ने बताया, ''तलाशी अभियान के दौरान लखनऊ में आरोपी द्वारा अमेरिकी नागरिकों को निशाना बनाकर संचालित किए जा रहे एक और अवैध कॉल सेंटर का भंडाफोड़ किया गया।''

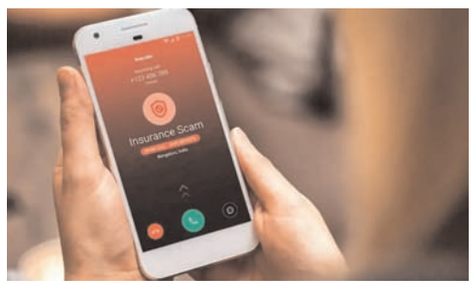

फोन पर नंबर ब्लॉक करने से नहीं रुकेगी स्पैम कॉल, डीएनडी ऐप से करें शिकायत: ट्राई

नई दिल्ली/भाषा। दूरसंचार नियामक ट्राई ने सोमवार को कहा कि मोबाइल फोन पर केवल नंबर ब्लॉक करने से स्पैम कॉल और धोखाधड़ी वाले संदेशों पर रोक नहीं लगती है। इसके लिए ग्राहकों को 'ट्राई डीएनडी ऐप' के जरिये ही स्पैम की शिकायतें दर्ज करानी चाहिए। 'ट्राई डीएनडी ऐप' भारतीय दूरसंचार नियामक प्राधिकरण (ट्राई) का आधिकारिक मंच है, जिसके जरिये मोबाइल उपभोक्ता स्पैम कॉल और स्पैम संदेश की शिकायतें दर्ज कर सकते हैं। यहां पर डीएनडी का मतलब 'डू नॉट डिस्टर्ब' से है। ट्राई ने बयान में कहा कि उपभोक्ताओं की शिकायतों के आधार पर स्पैम और फर्जीवाड़े वाले संदेश भेजने पर अब तक 21 लाख से अधिक मोबाइल नंबर काटे जा चुके हैं और लगभग एक लाख इकाइयों को काली सूची में डाला जा चुका है।

नियामक ने कहा, ''ट्राई ने एक परामर्श जारी किया है जिसमें लोगों से ट्राई डीएनडी ऐप के जरिये स्पैम कॉल/ फर्जी संदेश की सूचना देने की अपील की गई है। इसमें बताया गया है कि सिर्फ अपने फोन पर नंबर ब्लॉक करने से स्पैम नहीं रुकता है।'' नियामक ने कहा कि सामूहिक शिकायतों से ऐसे नंबरों की पहचान कर कार्रवाई करना संभव होता है। ट्राई के मुताबिक, फोन में नंबर ब्लॉक करने का मतलब सिर्फ यह है कि वह कॉल आपके फोन पर नहीं आएगी लेकिन फर्जीवाड़ा करने वाला उसी या नए नंबरों से बाकी लोगों को कॉल करते रहते हैं। ट्राई ने कहा डीएनडी ऐप के जरिये दर्ज की गई शिकायतें दूरसंचार कंपनियों और नियामक को संदिग्ध नंबरों का पता लगाने, उनकी जांच करने और स्थायी रूप से डिस्कनेक्ट करने में मदद करती हैं।

पत्नी को आत्महत्या के लिए उकसाने के आरोप में पंकजा मुंडे का निजी सहायक गिरफ्तार

मुंबई/भाषा। महाराष्ट्र सरकार में मंत्री पंकजा मुंडे के निजी सहायक (पीए) अनंत गर्जे को अपनी पत्नी को आत्महत्या के लिए उकसाने के आरोप में सोमवार को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने यह जानकारी दी। एक अधिकारी ने बताया कि गर्जे की पत्नी डॉ गौरी पालवे (28) ने कथित तौर पर घरेलू विवाद के कारण शनिवार को मध्य मुंबई के वर्ली स्थित अपने फ्लैट में फंदे से लटकर आत्महत्या कर ली।

पालवे के पिता द्वारा दर्ज कराई गई शिकायत के आधार पर वर्ली पुलिस ने गर्जे और उसके दो रिश्तेदारों के खिलाफ आत्महत्या के लिए उकसाने का मामला दर्ज किया है। गर्जे को मजिस्ट्रेट अदालत में पेश किया गया, जहां से उन्हें 27 नवंबर तक पुलिस हिरासत में भेज दिया गया। पुलिस ने इस आधार पर गार्जे की हिरासत का अनुरोध किया कि वे अभी भी पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार कर रहे हैं। अभियोजन पक्ष ने अदालत को बताया कि मामले के अन्य आरोपी अभी फरार हैं। गर्जे के वकील मंगेश देशमुख ने दलील दी कि आरोपी स्वेच्छा से पुलिस थाने पहुंचे और जांच में पूरा सहयोग कर रहा है। उन्होंने दलील दी कि उनके पास से ज़ब्त करने लायक कुछ भी नहीं है और उन्होंने न्यूनतम पुलिस हिरासत का अनुरोध किया। दोनों पक्षों को सुनने के बाद अदालत ने आरोपी को 27 नवंबर तक पुलिस हिरासत में भेज दिया। दोनों का विवाह इसी साल फरवरी में हुआ था और पालवे सरकारी केईएम अस्पताल में दंत चिकित्सक के रूप में कार्यरत थीं।

कुरुक्षेत्र में बोले राजनाथ-'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान हमने भगवान कृष्ण के संदेश का पालन किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चंडीगढ़/भाषा। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सोमवार को कहा कि 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान भारत की कार्रवाई उस संदेश से प्रेरित थी जो भगवान कृष्ण ने पांडवों को दिया था कि युद्ध प्रतिशोध या महत्वाकांक्षा के लिए नहीं, बल्कि धर्म के शासन की स्थापना के लिए लड़ा जाना चाहिए।

रक्षा मंत्री ने हरियाणा के कुरुक्षेत्र, 10वें अंतरराष्ट्रीय गीता सम्मेलन का उद्घाटन करने के बाद कहा, भगवान कृष्ण ने अर्जुन को यह भी सीख दी कि जो व्यक्ति धर्म के मार्ग पर चलता है वह कभी नहीं डरता।

सिंह ने अप्रैल में हुए पहलगाम आतंकी हमले का जिक्र करते हुए कहा कि जघन्य कृत्य अब भी राष्ट्रीय चेतना को परेशान करता है। उन्होंने कहा कि आतंकवादियों ने उस समय अमानवीय कृत्य किया जब निर्दोष पर्यटकों को उनका धर्म पूछने के बाद मार दिया गया। सभा को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा, मेरा मानना है कि वह घटना न केवल भारत के शांतिप्रिय स्वभाव को चुनौती दे रही थी; आतंकवादियों और उनके संरक्षकों ने यह मान लिया था कि भारत का शिष्टाचार उसकी कमजोरी है, लेकिन वे भूल गए कि भारत गीता का देश है, जहां करुणा है और युद्ध के मैदान पर 'धर्म' की रक्षा करने की प्रेरणा भी है। रक्षा मंत्री ने पहलगाम आतंकी हमले को लेकर भारत के जवाब के बारे में बात करते हुए कहा कि 'ऑपरेशन सिंदूर' के माध्यम से, सशस्त्र बलों ने उन्हें ऐसा कड़ा जवाब दिया है जिसे वे आज तक भूल नहीं पाए हैं। उन्होंने कहा, हमने दुनिया को दिखाया कि भारत युद्ध नहीं चाहता, लेकिन अगर वह मजबूर होता है, तो वह भागता नहीं है और एक कड़ा जवाब देता है।

सिंह ने कहा कि 'ऑपरेशन सिंदूर' केवल एक सैन्य अभियान नहीं था, बल्कि भारत की आत्म-प्रतिबद्धता, आत्म-सम्मान और आत्म-विश्वास की घोषणा थी। रक्षा मंत्री ने कहा, भगवान कृष्ण ने पांडवों को भी यही समझाया था कि युद्ध प्रतिशोध या महत्वाकांक्षा के लिए नहीं बल्कि धार्मिक शासन की स्थापना के लिए लड़ा जाना चाहिए। उन्होंने कहा, ... 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान, हमने भगवान कृष्ण के संदेश का पालन किया। और इस अभियान ने पूरी दुनिया को यह संदेश दिया है कि भारत न तो आतंकवाद के खिलाफ चुप रहेगा और न ही किसी भी परिस्थिति में कमजोर पड़ेगा। श्री कृष्ण ने कुरुक्षेत्र में अर्जुन को समझाया था कि धर्म केवल उपदेशों से ही नहीं बचता; यह कर्मों से सुरक्षित रहता है, और 'ऑपरेशन सिंदूर' वह धर्म-आधारित कर्म था जिसे हमने अपनाया।

बुद्ध के अवशेष वापस लाने के लिए केंद्रीय मंत्री रीजीजू भूटान में

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय मंत्री किरेन रीजीजू यहां राष्ट्रीय संग्रहालय में रखे गए भगवान बुद्ध के पवित्र अवशेषों के एक हिस्से को वापस लाने के लिए भूटान में हैं। बुद्ध के पवित्र अवशेष के हिस्से को भूटान में आम लोगों के दर्शन के लिए कुछ समय के लिए रखा गया था।

अधिकारियों ने शुक्रवार को बताया कि यह भारत और भूटान के बीच सांस्कृतिक संबंधों का प्रतीक है और यह थिम्पू में वैश्विक शांति प्रार्थना महोत्सव (जीपीपीएफ) का हिस्सा है, जो विश्व शांति और मानवता के कल्याण के लिए प्रार्थना करने वाला एक प्रमुख कार्यक्रम है।

संस्कृति मंत्रालय ने पहले कहा था कि यह कार्यक्रम ऐसे समय हुआ जब भूटान के चौथे राजा जिग्मे सिंग्ये वांगचुक का 70वां जन्मदिन भी मनाया जा रहा था। रीजीजू ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, भगवान बुद्ध के पवित्र अवशेष (नई दिल्ली के राष्ट्रीय संग्रहालय में रखे) वापस लाने के लिए प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करने के लिए भूटान रवाना हो रहा हूं, जिसे लोगों के दर्शन के लिए भूटान ले जाया गया था।

थिम्पू स्थित भारतीय दूतावास ने पहले कहा था भारत से लाये गए भगवान बुद्ध के पवित्र अवशेषों का एक अंश शनिवार को थिम्पू के प्रमुख मठ ताशिछोद्जोंग में स्थापित किया गया, जिसे भूटान की सर्वोच्च आध्यात्मिक और राजनीतिक संस्थाओं का केंद्र माना जाता है।

अदाणी समूह ने चालू वित्त वर्ष की पहली छमाही में किया रिकॉर्ड प्रदर्शन

नई दिल्ली/भाषा। अदाणी समूह की कंपनियों ने चालू वित्त वर्ष 2025-26 की पहली छमाही (अप्रैल-सितंबर) में मजबूत प्रदर्शन किया है। समूह ने बयान में कहा कि उसने पहली छमाही में 67,870 करोड़ रुपए (7.6 अरब अमेरिकी डॉलर) का निवेश किया जिससे उसकी सकल परिसंपत्तियां 6.77 लाख करोड़ रुपए (76 अरब अमेरिकी डॉलर) हो गईं। वह 1.5 लाख करोड़ रुपए के अपने पूरे साल के पूंजीगत व्यय के लक्ष्य को पूरा करने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। अदाणी समूह की पिछले 12 महीने की कर पूर्व आय (एबिटा) 92,943 करोड़ रुपए (10.4 अरब अमेरिकी डॉलर) के सर्वकालिक उच्चस्तर पर पहुंच गई जो सालाना आधार पर 11.2 प्रतिशत की वृद्धि है। वित्त वर्ष 2025-26 की पहली छमाही में कर पूर्व आय 47,375 करोड़ रुपए रही जिसमें 83 प्रतिशत योगदान समूह की प्रमुख यूटिलिटी इकाइयों, परिवहन एवं बुनियादी ढांचा परिचालन का रहा।

एआई कारोबार का कायाकल्प करने वाली हकीकत, कोई कयामत नहीं : गोयल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। लॉजिस्टिक प्रौद्योगिकी कंपनी शिपरॉकेट के सह-संस्थापक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) साहिल गोयल ने कृत्रिम मेधा (एआई) को कारोबार एवं उद्योगों का कायाकल्प करने वाली हकीकत बताते हुए कहा है कि एआई से जुड़ी आशंकाएं इसकी दीर्घकालिक उपयोगिता और उद्योगों पर पड़ने वाले प्रभावों को नजरअंदाज करती हैं।

गोयल ने पीटीआई-भाषा के साथ बातचीत में कहा, एआई शुद्ध सकारात्मक है, क्योंकि यह हमारे हाथों में ज्यादा समय वापस ला रहा है। प्रौद्योगिकी हमेशा ही ऐसा करती आई है, इसलिए इसे बुरा कहना गलत है।

वैश्विक स्तर पर एआई में संभावित निवेश अधिकता को लेकर बहस जारी है, क्योंकि बड़ी प्रौद्योगिकी कंपनियां चिप, डेटा सेंटर और अवसंरचना पर अरबों डॉलर खर्च कर रही हैं। अंतरराष्ट्रीय बाजारों में एआई से जुड़ी कंपनियों के शेयरों में तेज उछाल और फिर अचानक गिरावट ने पश्चिमी बाजारों में आशंकाएं बढ़ाई हैं। गोयल ने इस संदर्भ में कहा कि एआई से जुड़ा मूल्यांकन केवल बाजार की प्रतिक्रिया है, इसे प्रौद्योगिकी के मूल्य या रोजगार पर उसके प्रभाव से जोड़कर नहीं देखा जाना चाहिए। एआई लंबे समय में हमारे पक्ष में ही काम करेगा। यह किसी कयामत जैसा परिदृश्य नहीं है। उन्होंने लोगों से एआई को अपनाने, सीखने और उपयोग शुरू करने की अपील करते हुए कहा, यह किसी भी तरह से अतिरेक नहीं है। एआई सब कुछ बदल देने वाली प्रौद्योगिकी है। आज एआई एजेंट कॉल कर सकते हैं, रेस्तरां में बुकिंग कर सकते हैं। यह इतनी सरल हो चुकी है। आने वाले समय में एआई के सहज अनुप्रयोगों से दस गुना बड़ा क्षेत्र रोबोटिक्स का होगा।

मैं किसी का ऋणी नहीं, दशकों से लगते रहे हैं आरोप: अजित पवार

छत्रपति संभाजीनगर/भाषा। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने अपने 'वोट दो, फंड मिलेगा' वाले विवादित बयान पर सोमवार को सफाई देते हुए कहा कि उन पर पिछले पैंतीस वर्षों में तरह-तरह के आरोप लगते रहे हैं, लेकिन उन पर 'किसी का कोई कर्ज नहीं' हैं। परभणी जिले के जिंतुर में दो दिसंबर को होने वाले स्थानीय निकाय

चुनाव के प्रचार के दौरान उन्होंने कहा कि मीडिया उनकी हर बात पर कड़ी नजर रखता है और किसी भी मुद्दे को तुरंत उनसे जोड़ देता है। उन्होंने कहा कि वह आचार संहिता का सम्मान करते हैं और सार्वजनिक कामकाज में कभीकभी भूल हो सकती है। पवार ने शुक्रवार को पुणे जिले की बारामती तहसील के मालेगांव नगर पंचायत प्रचार में कहा था कि अगर जनता उनके उम्मीदवारों को चुनेगी तो फंड की कमी नहीं होगी, लेकिन अगर उन्हें ''नकार'' दिया गया, तो वह भी ''नकार'' देंगे। इस बयान पर विपक्ष ने उन्हें घेरते हुए माफी की मांग की थी। विवाद पर प्रतिक्रिया देते हुए उपमुख्यमंत्री ने कहा, ''मैं आचार संहिता को समझता हूं और इसका उल्लंघन नहीं होना चाहिए। अनेक आरोपों के बावजूद मैं जानता हूं कि मैं किसी का ऋणी नहीं हूं।'' जिंतुर चुनाव से पहले उन्होंने क्षेत्र के विकास का आश्वासन दिया और कहा, ''विकास कार्यों से प्रभावित लोगों के लिए वैकल्पिक व्यवस्था की जाएगी।''

दिल्ली हवाई अड्डे पर बड़ा हादसा टला, अफगान एयरलाइन का विमान गलत रनवे पर उतरा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर रविवार को एक बड़ा हादसा टल गया, जब काबुल से आ रहा एरियाना अफगान एयरलाइन का एक विमान गलती से उस रनवे पर उतर गया, जहां से एक अन्य विमान उड़ान भर रहा था। डीजीसीए के एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि नियामक ने इस घटना की जांच शुरू कर दी है।

अधिकारी ने बताया कि एरियाना अफगान एयरलाइन के ए310 विमान, जिसकी उड़ान संख्या एफजी-311 (काबुल-दिल्ली) थी, को रनवे 29-एल पर उतरने की अनुमति दी गई थी। हालांकि, विमान रनवे 29-आर पर उतरा। उन्होंने बताया कि अफगान एयरलाइन के विमान के पायलट-इन-कमांड ने बताया कि चार नॉटिकल माइल्स पर उनका 'इंस्ट्रूमेंट लैंडिंग सिस्टम' (आईएलएस) से संपर्क टूट गया और विमान दाईं ओर मुड़ गया, जिसके बाद कैप्टन ने रनवे 29-आर पर विमान उतारा। आईएलएस एक सटीक रेडियो नेविगेशन प्रणाली है जो विमान को कम दूरी का मार्गदर्शन प्रदान करती है, जिससे वह रात में, खराब मौसम और कम दृश्यता के दौरान रनवे तक पहुंच सकता है।

महिलाओं के खर्च करने, बचत करने के तरीके को बदल देता है मातृत्व

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

ओटावा। हमें काफी लंबे समय से ये मालूम हैं कि मातृत्व के चलते महिलाओं को न केवल अपनी आय, पदोन्नति और करियर में तरक्की से हाथ धोना पड़ रहा है बल्कि वे खामोशी के साथ अपनी जमा पूंजी भी खर्च कर रही हैं, रोज़मर्रा के खर्चों का बोझ उठा रही हैं और वित्तीय त्याग भी कर रही हैं, जिससे उन्हें दीर्घकालिक नुकसान हो रहा है।

महिलाओं की आय पर मातृत्व के प्रभाव के बारे में हम पहले से ही जानते हैं। स्टैटिस्टिक्स कनाडा द्वारा 2015 में किए गए एक अध्ययन से पता चलता है कि पिता के प्रत्येक डॉलर के मुकाबले माताएं 85 सेंट कमाती हैं। अपने पहले बच्चे के जन्म के दस साल बाद भी, माताओं की कमाई बच्चों के बिना होने वाली कमाई से लगभग 34.3 प्रतिशत कम है। लेकिन हमारे अध्ययन से यह भी पता चलता है कि मातृत्व के साथ ही महिलाओं का धन के साथ संबंध बदल जाता है और बच्चे होने से उनके वित्तीय निर्णय और खर्च करने की आदतें बदल जाती हैं। अध्ययन में शामिल प्रतिभागी अपने व्यक्तिगत वित्त पर चर्चा करते समय दो परस्पर विरोधी आख्यानों का वर्णन करती हैं। एक ओर, वे मातृत्व को वित्तीय परियोजना के रूप में देखती हैं जिसे उन्हें बजट और लागत-लाभ के दायरे में स्वतंत्र रूप से प्रबंधित करना होता है। दूसरी ओर, वे मातृत्व को एक ऐसी भूमिका के रूप में भी देखती हैं जिसके लिए आर्थिक त्याग की आवश्यकता होती है, जहां बच्चों की ज़रूरतें और कल्याण सभी वित्तीय पहलुओं से ऊपर होते हैं।

मातृत्व की असली कीमत :

मातृत्व की एक कीमत होती है। अध्ययनों से पता चला है कि मां बनने से महिलाओं की आर्थिक स्थिति और करियर पर नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। कुछ अध्ययन बताते हैं कि अन्य बदलावों के अलावा, उनके सहकर्मी उनकी योग्यता और उनके पेशेवर काम के प्रति उनकी प्रतिबद्धता को कमतर आंकने लगते हैं। माताओं को

कार्यालय और घर के बीच संतुलन के बढ़ते दबाव का भी सामना करना पड़ता है, जिसके कारण अक्सर उन्हें अंशकालिक नौकरी करनी पड़ती है। महिलाओं में अंशकालिक काम करने के प्राथमिक कारण के रूप में बच्चों की देखभाल का हवाला देने की पुरुषों की तुलना में 19 गुना अधिक संभावना है।

वित्तीय रणनीतिकार की भूमिका निभाना :

एक ओर, माताएं स्वायत्त वित्तीय प्रबंधक बनने का प्रयास करती हैं, जो वित्तीय रणनीतियां बनाने और अपने परिवारों के लिए आर्थिक रूप से ज़िम्मेदारी भरे निर्णय लेने में सक्षम हों। अध्ययन में शामिल एक प्रतिभागी ने बताया, सब कुछ मेरे खाते से होकर जाता है। मैं सब कुछ देखती हूं। मुझे भी यह तरीका पसंद है। मैं बहुत ही सजग इंसान हूंमुझे बजट पर नियंत्रण रखना पसंद है। इससे वे शिशु बजट बनाती हैं, अलग-अलग डायपर ब्रांड की कीमतों पर नज़र रखती हैं और उनकी तुलना करती हैं, या अपने बच्चों के संभावित भविष्य की शिक्षा के लिए बचत की योजनाएं बनाती हैं।

अध्ययन में शामिल एक अन्य प्रतिभागी ने बताया:

मुझे पता है कि मैं बच्चों के लिए ज़्यादा चीज़ें खरीदती हूं। मैं उन्हें अपने कार्ड पर डाल देती हूं ताकि मुझे पता रहे कि मेरे और भी खर्चे हैं जो मुझे अतिरिक्त रूप से उठाने पड़ेंगे... लेकिन, साथ ही, मुझे यही पसंद भी है। मुझे उनके लिए खरीदारी करना बहुत पसंद है। यह मेरे लिए भी एक तोहफ़ा है। लेकिन कभी-कभी, मुझे यह थोड़ा परेशान करने वाला लगता है।

तेनकासी में दो बसों की टक्कर में छह लोगों की मौत

मुख्यमंत्री ने तीन लाख रुपये मुआवजे की घोषणा की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तेनकासी। तेनकासी जिले के इदैकल के पास सोमवार को दो निजी बसों की आमने-सामने की टक्कर में छह लोगों की मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम. के. स्टालिन ने मुख्यमंत्री सामान्य राहत कोष से मृतकों के परिजनों को तीन-तीन लाख रुपये, गंभीर रूप से घायल और अस्पताल में इलाज करा रहे प्रत्येक व्यक्ति को एक लाख रुपये तथा मामूली रूप से घायल और अस्पताल में इलाज करा रहे प्रत्येक व्यक्ति को 50 हजार रुपये की सहायता राशि देने का आदेश दिया। उन्होंने कहा, पांच महिलाओं और एक पुरुष सहित छह लोगों की मौके पर ही मौत हो गई जबकि 56 लोग घायल हो गए। पुलिस सूत्रों ने बताया कि यह हादसा तब हुआ जब आमने-सामने से आ रहीं दो निजी बसों की टक्कर हो गई। उन्होंने बताया कि एक बस मदुरै से सेनकोट्टई, जबकि दूसरी तेनकासी से कोविलपट्टी/शंकरनकोविल जा रही थी।

पुलिस, दमकल और बचाव कर्मियों तथा स्थानीय लोगों ने बचाव अभियान चलाया, जिसमें घायलों को अस्पताल ले जाने के लिए कई एम्बुलेंस का इस्तेमाल किया गया। शुरुआती जांच से पता चला है कि हादसा एक बस चालक के तेज रफ्तार और लापरवाही से वाहन चलाने की वजह से हुआ। आशंका है कि ओवरटेक करते समय किसी बस ने गलत दिशा में गाड़ी चला दी होगी।

पुलिस सूत्रों ने बताया कि सीसीटीवी फुटेज खंगालने और प्रत्यक्षदर्शियों के बयानों की समीक्षा सहित जांच जारी है। मुख्यमंत्री स्टालिन ने 'एक्स' पर लिखा कि उन्होंने तुरंत जिले के प्रभारी मंत्री के के एस एस आर रामचंद्रन से संपर्क किया और उन्हें घटनास्थल पर पहुंचने का निर्देश दिया। मुख्यमंत्री ने लिखा, ''मैंने जिलाधिकारी को सरकारी अस्पताल जाने और घायलों का सही और अच्छी गुणवत्ता का इलाज कराने का आदेश दिया है।''

ऑल इंडिया अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कषगम (अन्नाद्रमुक) महासचिव एडप्पादी के. पलानीस्वामी ने भी सोशल मीडिया के जरिए अपनी संवेदना व्यक्त की। उन्होंने लिखा, मुझे यह समाचार सुनकर गहरा दुख हुआ कि आज सुबह तेनकासी जिले के कदयानल्लूर के पास ईदकल दुरईशामियापुरम कामराजपुरम क्षेत्र में दो निजी बसों के बीच हुई आमने-सामने की टक्कर में पांच महिलाओं सहित 6 लोगों की मौत हो गई और लगभग 45 अन्य घायल हो गए, जिनका सरकारी अस्पताल में इलाज किया जा रहा है। उन्होंने अस्पताल में उपचार करा रहे लोगों के पूर्ण स्वस्थ होने की भी कामना की।

राजस्थान के भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ का स्वागत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां सोमवार को राजस्थान के भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ का चैनई पहुंचने पर प्रवासियों द्वारा स्वागत किया गया। भाजपा प्रवासी प्रकोष्ठ तमिलनाडु के संयोजक केवलचन्द मांडोत ने बताया कि प्रदेश अध्यक्ष का साफ़ा पहनाकर, शॉल ओढ़ाकर, माला पहनाकर स्वागत किया गया। स्वागत प्रवासी प्रकोष्ठ तमिलनाडु के संगठन मंत्री डॉ. केशरसिंह गादाणा, सह सयोजक रामलाल सुथार आदि ने किया। उनके साथ प्रवासी रोहित जैन, संजय जैन, सुरेश शर्मा, सुजाराम सेन, विक्रम जागीड, छगन लाल जागीड, रतन, राजु शर्मा, दिव्या सोलंकी आदि गणमान्य उपस्थित थे।

मौसम विभाग ने तमिलनाडु, पुडुचेरी के लिए ऑरेंज, येलो अलर्ट जारी किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। बंगाल की खाड़ी पर एक निम्न दाब प्रणाली के और तेज होने की आशंका के कारण सोमवार को तमिलनाडु के कई दक्षिणी और डेल्टा जिलों में भारी वर्षा होने की संभावना है। मौसम विभाग के अधिकारियों यह जानकारी दी। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने सोमवार को तमिलनाडु और पुडुचेरी के लिए ऑरेंज और येलो अलर्ट जारी किया है, जिसमें कई जिलों में भारी से बहुत भारी बारिश, तेज हवाओं के साथ बारिश और बिजली गिरने की चेतावनी दी गई है। इस बीच पुडुचेरी और कराइकल क्षेत्रों में भारी बारिश हुई। 'ऑरेंज' अलर्ट का अर्थ है 11 सेंटीमीटर से 20 सेंटीमीटर तक बहुत भारी बारिश और 'येलो' अलर्ट का अर्थ है छह सेंटीमीटर से 11 सेंटीमीटर के बीच भारी वर्षा।

मौसम विभाग के अधिकारियों ने बताया कि भारी वर्षा का सबसे तेज दौर सोमवार को आने की उम्मीद है, जिसके बाद तीव्रता धीरे-धीरे कम हो सकती है। हालांकि कुछ और दिनों तक मध्यम वर्षा जारी रह सकती है। आईएमडी के आंकड़ों के अनुसार, कन्याकुमारी, तिरुनेलवेली, तेनकासी, थूथुकुडी, रामनाथपुरम, कुड्डालोर, नागपट्टिनम, मायिलाडुतुरै, तंजावुर, तिरुवरूर और आस-पास के क्षेत्रों जैसे दक्षिणी और तटीय जिले अलर्ट पर हैं और वहां पिछले 24 घंटों में पहले ही बहुत अधिक वर्षा दर्ज की जा चुकी है। इनमें से कुछ जिलों में, खासकर थूथुकुडी और तिरुनेलवेली में जलभराव, यात्रा में बाधा और राज्य आपदा मोचन बल (एसडीआरएफ) टीमों की तैनाती देखी जा रही है। चेन्नई में आमतौर पर बादल छाए रहने, हल्की से मध्यम बारिश और कभी-कभार तेज हवाओं के साथ बारिश होने की संभावना है। यह सबसे अधिक प्रभावित दक्षिणी जिलों की तुलना में निचले स्तर के (येलो) अलर्ट के तहत है। भारी बारिश के कारण कई दक्षिणी और तटीय जिलों में सोमवार को स्कूल और कुछ मामलों में कॉलेज बंद रहे।

अधिकारियों ने प्रभावित जिलों के लोगों से अनावश्यक यात्रा से बचने, जलभराव और तेज हवाओं पर ध्यान देने और स्थानीय आपदा-प्रबंधन तथा जिलाधिकारी के परामर्श का पालन करने को कहा है। इस बीच भारी बारिश के कारण सोमवार को पुडुचेरी और कराइकल क्षेत्रों में सामान्य जनजीवन प्रभावित रहा तथा स्कूलों और कॉलेजों में अवकाश घोषित कर दिया गया। शनिवार से ही केंद्र शासित प्रदेश में बारिश हो रही है, जिससे कई आवासीय कॉलनियों और मुख्य मार्गों में पानी भर गया है। एक विज्ञप्ति में पुडुचेरी के गृह और शिक्षा मंत्री ए नमस्सिवयम ने कहा कि भारी बारिश के मद्देनजर दोनों क्षेत्रों के सभी सरकारी, निजी स्कूल और साथ ही सभी कॉलेज सोमवार को बंद रहेंगे।

उदयनिधि स्टालिन को तुरन्त सार्वजनिक माफी मांगी चाहिए

उपमुख्यमंत्री ने संस्कृत को 'मृत भाषा' कहा था

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। भारतीय जनता पार्टी के प्रवक्ता एएनएस प्रसाद ने तमिलनाडु के उपमुख्यमंत्री उदयनिधि स्टालिन की निंदा करते हुए कहा कि उदयनिधि स्टालिन को भाषा और धार्मिक राजनीति करना बंद कर देना चाहिए और इसके बजाय लोगों की भलाई की राजनीति करनी चाहिए। यह गहरी चिंता और संवैधानिक ज़िम्मेदारी की भावना के साथ है कि उन्होंने हाल ही में एक किताब के विमोचन समारोह में उप मुख्यमंत्री और युवा कल्याण और खेल विकास मंत्री उदयनिधि स्टालिन की सार्वजनिक टिप्पणियों पर बात की थी।

भाजपा ने कहा कि हम संस्कृत के बारे में अपमानजनक बातें कहने के लिए श्री उदयनिधि स्टालिन की कड़ी निंदा करते हैं और उनसे ऐसे अपमानजनक बयानों से बचने का आग्रह करते हैं जो हमारे देश की सांस्कृतिक विरासत को कमज़ोर करते हैं; हम उनसे उन टिप्पणियों को वापस लेने और ईमानदारी से माफ़ी मांगने का भी आग्रह करते हैं। उपमुख्यमंत्री का संस्कृत को 'मृत भाषा' बताना जो भारत के संविधान के आठवें शेड्यूल में शामिल आठ भाषाओं में से एक है और दुनिया के कुछ सबसे पुराने बचे हुए साहित्य का माध्यम है असल में गलत और संवैधानिक रूप से असंवेदनशील है। संस्कृत भारत और विदेशों में सैकड़ों यूनिवर्सिटी और पारंपरिक पाठशालाओं में स्कॉलरशिप, पूजा-पाठ, फिलॉसफी और एकेडमिक रिसर्च का जीता-जागता माध्यम बनी हुई है। यह भारत की आबादी के एक बड़े हिस्से के लिए पूजा की भाषा है और देश की सांस्कृतिक विरासत का एक अटूट हिस्सा है।

उन्होंने कहा कि उदयनिधि स्टालिन, जिन्होंने खुद को ईसाई घोषित कर दिया है, और दुनिया को रास्ता दिखाने वाले हिंदू धर्म की पवित्रता को खत्म करने के इरादे से, एक बार फिर सनातन धर्म और हिंदू धर्म पर 'गलत इरादे से' क्रूर हमला किया है। उन्होंने संस्कृत को, जो सनातन धर्म के आगम नियमों के अनुसार भारत के ज़्यादातर मंदिरों में हिंदू देवी-देवताओं की स्तुति के लिए इस्तेमाल होने वाली शक्तिशाली भाषा है, सबसे भद्दे तरीके से मृत भाषा कहा है। यह माफ़ न करने लायक काम तमिलनाडु के उपमुख्यमंत्री ने किया, जिन्हें भारतीय संविधान के अनुसार लोगों ने चुना था। तमिलनाडु के लोग तमिल को मिले क्लासिकल दर्जे और तमिल साहित्य की बेमिसाल रिचनेस पर सही मायने में गर्व करते हैं। हालांकि, एक भाषा का जश्न मनाने के लिए दूसरी भाषा को नीचा दिखाना ज़रूरी नहीं है - और न ही होना चाहिए। संस्कृत की उतनी ही पुरानी और लगातार ज़रूरी होने को मानने से तमिल की रिचनेस किसी भी तरह से कम नहीं होती, ठीक वैसे ही जैसे हिब्रू, अरबी, ग्रीक या लैटिन के लिए दुनिया भर में इज़्ज़त होने से तमिल की शान कम नहीं होती।

उन्होंने उपमुख्यमंत्री से अपील की है कि कि वे इस बात पर सोचें कि ऐसी बातों से तमिलनाडु के युवाओं को क्या बड़ा मैसेज जाता है, जिन्हें इंस्पायर करना उनका फ़र्ज़ है। युवाओं को तमिल पर गर्व करना सिखाया जाना चाहिए, बिना इस गुमराह किए कि तमिल पर गर्व करने के लिए दूसरी भारतीय भाषाओं या सनातन धर्म से दुश्मनी करनी पड़ती है, जो हमारे ज़्यादातर नागरिकों का जीता-जागता विश्वास है।

कासरगोड में संगीत समारोह में अत्यधिक भीड़ के बाद अफरा-तफरी, आयोजकों के खिलाफ मामला दर्ज

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मंगलूरू/कासरगोड/भाषा। पुलिस ने यहां एक संगीत समारोह के आयोजकों के खिलाफ सोमवार को मामला दर्ज किया, जिसे अत्यधिक भीड़ के कारण दर्शकों के बीच अफरा-तफरी और असुविधा पैदा होने के बाद रोक दिया गया था। मलयालम गायक हनान शाह की प्रस्तुति वाला यह संगीत कार्यक्रम रविवार रात निजी बस स्टैंड के निकट एक मैदान में आयोजित किया गया था।

पुलिस ने बताया कि भीड़भाड़ के कारण करीब 16 लोगों को सांस लेने में दिक्कत और चक्कर आने की समस्या के बाद अस्पताल में भर्ती कराया गया।

बाद में पुलिस ने हस्तक्षेप करके संगीत कार्यक्रम को रुकवा दिया तथा कई लोगों द्वारा कार्यक्रम स्थल छोड़ने से इनकार करने पर भीड़ को बलपूर्वक तितर-बितर कर दिया गया।

पुलिस ने बताया कि आयोजकों शाहजमान थोट्टान, नवलु रहमान, हारिस अबूबेकर, खालिद ईडी, जुबैर और आयोजन समिति के अन्य सदस्यों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। प्राथमिकी में कहा गया है कि आयोजकों ने अनुमति के लिए आवेदन करते हुए दावा किया था कि कार्यक्रम में 5,000 लोग शामिल होंगे। प्राथमिकी के अनुसार, हालांकि अस्थायी मंच और परिसर का आकलन करने के बाद पुलिस ने केवल 3,000 लोगों के लिए अनुमति दी और भीड़भाड़ को रोकने के लिए लिखित चेतावनी जारी की।

इसके बावजूद आयोजकों ने पुलिस के निर्देशों का उल्लंघन करते हुए कथित तौर पर 10,000 से अधिक लोगों को टिकट बेचे। पुलिस अधिकारियों ने कहा कि आयोजकों को पूछताछ के लिए बुलाया गया है और आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

अन्नाद्रमुक प्रमुख निष्कासित नेता सेंगोट्टैयन के गृह क्षेत्र से जनसंपर्क कार्यक्रम फिर शुरू करेंगे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। अन्नाद्रमुक के महासचिव एडप्पाडी के. पलानीस्वामी 30 नवंबर को निष्कासित नेता के.ए. सेंगोट्टैयन के गृह क्षेत्र ईरोड से अपना जनसंपर्क कार्यक्रम फिर से शुरू करेंगे। वह अपनी रैलियों की श्रृंखला फिर से शुरू करेंगे, जिसे अभिनेता विजय की तमिलगा वेट्री कझगम की एक राजनीतिक रैली के दौरान 27 सितंबर को करूर में हुई भगदड़ के कारण अस्थायी रूप से रोक दिया गया था। 'मक्कलै कापूम, तमिलगथै मीतपोम' कार्यक्रम सात जुलाई को कोयंबटूर से शुरू किया गया था।

वह ईरोड जिले के गोबिचेट्टीपालयम से रैली शुरू करेंगे, जहां से सेंगोट्टैयन कई बार राज्य विधानसभा का चुनाव जीत चुके हैं। पूर्व राज्य मंत्री को पार्टी से निष्कासित कर दिया गया था क्योंकि उन्होंने शीर्ष नेतृत्व की अवहेलना करते हुए निष्कासित नेताओं ओ. पनीरसेल्वम, वी.के. शशिकला और उनके भतीजे टी.टी.वी. दिनाकरन से मुलाकात की थी और उन्हें अन्नाद्रमुक में वापस लेने की मांग की थी। सोमवार को पार्टी द्वारा जारी एक विज्ञप्ति के अनुसार, पलानीस्वामी पांच चरणों में 174 विधानसभा क्षेत्रों में जा चुके थे और छठा चरण सितंबर में शुरू होना था। हालांकि, करूर त्रासदी के बाद राजनीतिक सभाओं पर अस्थायी प्रतिबंध के कारण इसे स्थगित कर दिया गया था। हादसे में 41 लोगों की जान चली गई और 60 से अधिक घायल हो गए। संभावना है कि पूर्व मुख्यमंत्री इस बैठक में पार्टी के भीतर अपनी स्थिति को मजबूत करेंगे, खासकर इस आलोचना पर कि सेंगोट्टैयन और उनके समर्थकों को पार्टी से हटाए जाने के बाद अन्नाद्रमुक को कार्यकर्ताओं की कमी का सामना करना पड़ रहा है। पलानीस्वामी पहले ही कह चुके हैं कि अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव में सेंगोट्टैयन का निष्कासन अन्नाद्रमुक को किसी भी तरह से प्रभावित नहीं करेगा।

एसआईआर नागरिकता छीनने की साजिश : वीसीके

चेन्नई। विदुथलाई चिरुथिगल काची (वीसीके) ने मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के खिलाफ सोमवार को यहां प्रदर्शन किया और आरोप लगाया कि यह प्रक्रिया नागरिकता छीनने की साजिश है। वीसीके प्रमुख थोल थिरुमावलवन के नेतृत्व में वीसीके ने दलितों और अल्पसंख्यकों को मताधिकार से वंचित करने के कथित प्रयास के लिए निर्वाचन आयोग और केंद्र की भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नीत सरकार की निंदा की। इस अवसर पर थिरुमावलवन ने चुनावी राज्य तमिलनाडु में विशेष गहन पुनरीक्षण प्रक्रिया को लागू करने में की गई जल्दबाजी पर सवाल उठाया और आरोप लगाया कि यह दलित, आदिवासी और अल्पसंख्यक मतदाताओं को निशाना बनाने एवं उन्हें मताधिकार से वंचित करने के लिए भाजपा द्वारा पूर्व नियोजित कदम है।

केरल में भारी बारिश, सात जिलों में 'येलो अलर्ट' जारी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुवनंतपुरम/भाषा। केरल के विभिन्न हिस्सों में सोमवार को व्यापक बारिश हुई और राज्य भर में पूर्वोत्तर मानसून सक्रिय रहा। बारिश तेज होने के साथ, भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने सात दक्षिणी जिलों के लिए 'येलो अलर्ट' जारी किया है। येलो अलर्ट' का मतलब छह सेंटीमीटर से 11 सेंटीमीटर के बीच भारी बारिश होने से है। आईएमडी के नवीनतम अलर्ट के अनुसार सोमवार को तिरुवनंतपुरम, कोल्लम, पथनमथिट्टा, अलाप्पुझा, कोट्टायम, एर्नाकुलम और इडुक्की जिलों में मध्यम से भारी वर्षा होने का अनुमान है। राज्य में एक-दो स्थानों पर भारी बारिश (24 घंटे में सात से 11 सेंटीमीटर तक) होने का अनुमान है। आईएमडी ने बताया कि बारिश के साथ बिजली चमकने और तेज हवाएं चलने का भी अनुमान है।

डीएमडीके पार्टी कड़ी मेहनत से बनी है : प्रेमलता विजयकांत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मदुरै। डीएमडीके महासचिव प्रेमलता विजयकांत ने कहा है कि पार्टी अपने संस्थापक कैप्टन' विजयकांत की कड़ी मेहनत और समर्पण से खड़ी हुई है और उम्मीद जताई कि पार्टी अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव में अपनी छाप छोड़ेगी। मंदिर नगरी के दौरे पर आईं डीएमडीके नेता ने विधानसभा चुनाव से पहले पार्टी कार्यकर्ताओं में जोश भरने के लिए उन्हें संबोधित किया।

हालांकि, रविवार देर रात अपने दौरे के दौरान प्रेमलता ने राजनीतिक दलों के साथ गठबंधन वार्ता फिर से शुरू करने का कोई जिक्र नहीं किया। शिवगंगा जिले के तिरुपत्तूर में पत्रकारों से बात करते हुए, डीएमडीके महासचिव ने कहा कि मदुरै और कोयंबटूर में मेट्रो रेल परियोजना को लागू किया जाना चाहिए और केंद्र सरकार को राज्य में अतिरिक्त वंदे भारत ट्रेनें चलानी चाहिए। एक सवाल के जवाब में, प्रेमलता ने कहा, ''विधानसभा चुनावों के लिए गठबंधन के बारे में अभी कुछ नहीं कहा जा सकता। हम उचित समय पर इसकी घोषणा करेंगे।''

डी के शिवकुमार समर्थक और विधायक दिल्ली पहुंचे, सिद्दरामय्या ने आलाकमान का निर्देश मानने की बात कही

बेंगलूरु। कर्नाटक में मुख्यमंत्री परिवर्तन के मुद्दे पर सत्तारूढ़ कांग्रेस के भीतर जारी ''सत्ता संघर्ष'' के बीच उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार का समर्थन करने वाले विधायकों का एक और समूह पार्टी आलाकमान से मिलने के लिए दिल्ली पहुंचा है। वहीं, मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने सोमवार को कहा कि अगर पार्टी आलाकमान फैसला करता है तो वह शीर्ष पद पर बने रहेंगे। सूत्रों के अनुसार, कम से कम छह विधायक रविवार रात राष्ट्रीय राजधानी पहुंचे हैं। सूत्रों ने बताया कि शिवकुमार को मुख्यमंत्री बनाने की मांग को लेकर जल्द ही कुछ और विधायकों के दिल्ली जाने की संभावना है।

सिद्दरामय्या ने कहा, ''हम आलाकमान के फैसले का पालन करेंगे। अगर वे तय करते हैं कि मुझे (मुख्यमंत्री पद पर) बने रहना चाहिए, तो मैं पद पर बना रहूंगा। आखिरकार, आलाकमान जो भी फैसला करेगा, मैं उसे स्वीकार करूंगा। शिवकुमार को उसे स्वीकार करना चाहिए।'' यह पूछे जाने पर कि क्या शिवकुमार मुख्यमंत्री बनेंगे, सिद्दरामय्या ने कहा, ''जब मैंने कहा कि आलाकमान फैसला करेगा, तो आप मुझसे फिर वही बात पूछ रहे हैं।'' खबरों के अनुसार, यह मामला 2023 में हुए सत्ता-साझेदारी समझौते पर आधारित है, जिसके तहत सिद्दरामय्या को ढाई साल (20 नवंबर तक) मुख्यमंत्री रहना था और इसके बाद जिम्मेदारी उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार को मिलनी थी। सूत्रों ने बताया कि जो विधायक दिल्ली में हैं, उनमें एचसी बालकृष्ण (मगदी), के एम उदय (मद्दूर), नयना मोटाम्मा (मुदिगेरे), इकबाल हुसैन (रामनगर), शरत बच्चेगौड़ा (होसकोटे) और शिवगंगा बसवराज (चन्नागिरी) शामिल हैं। सूत्रों ने बताया कि कांग्रेस अध्यक्ष खरगे फिलहाल बेंगलूरु में हैं और वह जल्द दिल्ली जाने वाले हैं, वहीं शीर्ष नेता राहुल गांधी के भी विदेश यात्रा से लौटने की संभावना है।

30 लाख रुपए की स्मैक बरामद, युवक गिरफ्तार

जयपुर। राजस्थान के झालावाड़ जिले में पुलिस ने एक युवक को गिरफ्तार करके उसके पास से 30 लाख रुपए की स्मैक बरामद की है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। जिला पुलिस अधीक्षक अमित कुमार के अनुसार रविवार को कोतवाली थाना टीम और जिला विशेष टीम ने संयुक्त रूप से कार्रवाई की। टीम ने रेलवे स्टेशन तिराहा भवानी मंडी रोड पर पैदल जा रहे संदिग्ध युवक की तलाशी ली। जिला पुलिस अधीक्षक ने बताया कि युवक भगवान सिंह तंवर (30) के पास से पुलिस ने कुल 193.87 ग्राम स्मैक जब्त की। अंतरराष्ट्रीय बाजार में इसकी अनुमानित कीमत लगभग 30 लाख रुपये है। आरोपी को गिरफ्तार कर उसके खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

कुछ हिस्सों में इस सप्ताह हो सकती है बूंदाबांदी

जयपुर।एक नए पश्चिमी विक्षोभ के असर से राजस्थान के कुछ हिस्सों में इस सप्ताह बूंदाबांदी हो सकती है। मौसम केंद्र जयपुर ने यह जानकारी दी। इसके अनुसार इस समय राज्य के शेखावाटी क्षेत्र व आसपास के जिलों में न्यूनतम तापमान 6 से 8 डिग्री सेल्सियस के बीच दर्ज किया जा रहा है। वहीं राज्य के बाकी अधिकतर स्थानों पर न्यूनतम तापमान 10 डिग्री सेल्सियस से ऊपर (सामान्य के आसपास) बना हुआ है। मौसम केंद्र के अनुसार एक नए पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव से 27-28 नवंबर को राज्य के कुछ भागों में बादल छाए रहने व कहीं-कहीं हल्की बारिश/बूंदाबांदी होने की संभावना है।

सड़क हादसे में एक ही परिवार के तीन लोगों की मौत

जयपुर। राजस्थान के अजमेर जिले में सड़क हादसे में एक ही परिवार के तीन सदस्यों की मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार यह हादसा तब हुआ जब राष्ट्रीय राजमार्ग-89 पर गलत दिशा से आ रहे ट्रेलर-ट्रक ने एक कार को टक्कर मार दी। यह हादसा गेगल थाना इलाके में कायड़ गांव विश्राम स्थली के पास हुआ। मृतकों की पहचान रामलाल (35), उनकी पत्नी कांता देवी (30) और उनके बेटे मयंक (11) के तौर पर हुई है। ये सभी कायड़ गांव के रहने वाले हैं। सहायक उपनिरीक्षक मोइनुद्दीन ने कहा, कार में सवार लोग गगवाना में अपने खेत से घर लौट रहे थे तभी गलत दिशा से आ रहे एक ट्रेलर ने उनकी कार को सामने से टक्कर मार दी। हादसे के बाद ट्रेलर का चालक मौके से फरार हो गया।

जोराराम कुमावत ने वरिष्ठ नागरिक तीर्थ यात्रा योजना के तहत विशेष ट्रेन को दिखायी हरी झंडी

जयपुर। देवस्थान मंत्री जोराराम कुमावत ने देवस्थान विभाग की वरिष्ठ नागरिक तीर्थ यात्रा योजना 2025 के तहत सोमवार को जवाई बांध से जगन्नाथ पुरी के लिए विशेष ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। यह ट्रेन वाया पाली जोधपुर होते हुए जगन्नाथपुरी जाएगी। इस विशेष ट्रेन में सिरोही ,जालौर के 241 यात्री, पाली जिले के 150 यात्री एवं जोधपुर, बाड़मेर ,बालोतरा ,जैसलमेर ,फलोदी जिलों के 579 यात्री सहित कुल 970 यात्री इस यात्रा में शामिल होंगे। इस अवसर पर यात्रियों को सफल और सुरक्षित यात्रा की शुभकामनाएं देते हुए कुमावत ने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल के नेतृत्व में वरिष्ठ नागरिकों को देश के महत्वपूर्ण तीर्थस्थलों के सुविधाजनक और निःशुल्क तीर्थयात्रा के लिए इस महत्वपूर्ण योजना की शुरुआत की गई है जो काफी सफल साबित हुई है। मंत्री कुमावत ने कहा कि राज्य सरकार का लक्ष्य है कि अधिक से अधिक वरिष्ठ नागरिकों को निःशुल्क एवं सुरक्षित यात्रा सुविधा उपलब्ध कराई जाए। उन्होंने बताया कि सरकार द्वारा धर्मस्थलों के चयन, यात्रा मार्ग, चिकित्सा सुविधाओं तथा यात्री सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी गई है। इस तीर्थयात्रा में देश के पूर्व से पश्चिम और उत्तर से दक्षिण तक के बड़े-बड़े तीर्थस्थल शामिल हैं। इसमें 60 वर्ष से अधिक के स्त्री-पुरुष सभी शामिल हैं। अब तक हजारों यात्री इसका लाभ भी उठा चुके हैं। इस अवसर पर पंचायतीराज राज्यमंत्री ओटाराम देवासी भी उपस्थित थे। उन्होंने भी तीर्थ यात्रियों को सुरक्षित और सफल यात्रा की शुभकामना दी। इस अवसर पर ज्ञानेंद्रसिंह, शिवराज सिंह, जिला संयोजक, पूनम सिंह जिला उपाध्यक्ष सहित अन्य गणमान्य नागरिक तथा ओमप्रकाश पालीवाल अतिरिक्त आयुक्त देवस्थान विभाग उपस्थित थे।

आमजन की समस्याओं का त्वरित समाधान करें अधिकारी : शर्मा

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार जवाबदेहिता एवं पारदर्शिता से कार्य करते हुए सुशासन की ओर अग्रसर है। सरकार के द्वारा किए जा रहे कार्यक्रमों, नवाचारों एवं योजनाओं का प्रमुख ध्येय अंतिम पायदान पर बैठे व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंचाना है। जनसुनवाई भी इसी लक्ष्य की ओर बढ़ता एक मजबूत कदम है। मुख्यमंत्री नियमित रूप से इस जनसुनवाई में लोगों की समस्याओं का समाधान कर उन्हें राहत दे रहे हैं।

शर्मा ने सोमवार को मुख्यमंत्री निवास पर जनसुनवाई की। उन्होंने इस दौरान आमजन की परिवेदनाओं को संवेदनशीलता के साथ सुनते हुए अधिकारियों को उन समस्याओं के त्वरित निस्तारण के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि जनसुनवाई में परिवादी उम्मीद के साथ आते हैं। ऐसे में अधिकारी इन प्रकरणों को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए इनका शीघ्र निस्तारण करें।

शर्मा ने जनसुनवाई में बड़ी संख्या में आई महिलाओं, दिव्यांगों, बुजुर्गों सहित विभिन्न लोगां की समस्याओं का मौके पर ही निस्तारण किया। आमजन अपनी परिवेदनाओं के निस्तारण से बेहद संतुष्ट नजर आए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि परिवादियों को जल्द से जल्द राहत दी जाए। साथ ही, लंबित प्रकरणों की नियमित मॉनिटरिंग करते हुए इसका शीघ्र समाधान करें। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि प्रकरणों के निस्तारण में किसी भी तरह की लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों पर सख्त कार्यवाही की जाए।

पंच गौरव के अंतर्गत निर्धारित कार्ययोजना की समयबद्ध पालना हो सुनिश्चित : श्रीनिवास

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने कहा कि प्रदेश सरकार द्वारा संचालित पंच गौरव योजना राजस्थान के पंचमुखी विकास की दिशा में एक महत्वाकांक्षी पहल है, जिससे प्रत्येक जिले की विशिष्ट पहचान का संवर्धन एवं संरक्षण किया जा रहा है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि पंच गौरव के अंतर्गत निर्धारित कार्ययोजना की पालना सुनिश्चित करते हुए सभी कार्य समयसीमा में पूरे किए जाएँ।

श्रीनिवास सोमवार को शासन सचिवालय में पंच गौरव कार्यों की प्रगति के संबंध में आयोजित समीक्षा बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। उन्होंने निर्देश दिए कि सभी संबंधित विभाग अपने कार्यों की प्रगति, बजट व्यय, तकनीकी स्वीकृतियों और फील्ड-स्तर की स्थिति की नियमित समीक्षा कर नोडल विभाग को उसकी रिपोर्ट प्रस्तुत करें। उन्होंने कहा कि अधिकाधिक जनसहभागिता और जागरूकता के लिए व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाए, ताकि ग्रामीण स्तर पर योजना में सक्रिय भागीदारी बढ़े।

मुख्य सचिव ने अधिकारियों को गुणवत्तापूर्ण कार्य करने और नियमित फील्ड निरीक्षण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि पंच गौरव प्रदेश के हर जिले की आधारभूत सुविधाओं को मजबूत करने के साथ ग्रामीण पर्यटन, संस्कृति, खेल एवं सामुदायिक जीवन को भी नई दिशा प्रदान करेगी।

उल्लेखनीय है कि पंच गौरव में प्रत्येक जिले के एक उत्पाद, एक उपज, एक खेल, एक वनस्पति और एक पर्यटन स्थल को प्रोत्साहित किया जा रहा है। बैठक में अतिरिक्त मुख्य सचिव उद्योग शिखर अग्रवाल, अतिरिक्त मुख्य सचिव वन एवं पर्यावरण आनंद कुमार, शासन सचिव योजना रवि कुमार सुरपुर सहित सम्बंधित विभागों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहें।

राजस्थान से रहा धर्मेंद्र का गहरा नाता गुलामी से बंटवारा तक कई यादगार फिल्मों की शूटिंग, बीकानेर से सांसद बन कर भी निभाया जुड़ाव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। बॉलीवुड के दिग्गज अभिनेता धर्मेंद्र का राजस्थान से रिश्ता केवल पर्दे तक सीमित नहीं रहा, बल्कि फिल्मों, लोकेशन और राजनीतितीनों स्तरों पर उनका संबंध बेहद गहरा रहा। 'गुलामी', 'बंटवारा' 'समाधि' और 'मेरा गांव मेरा देश' जैसी कई प्रसिद्ध फिल्मों की शूटिंग राजस्थान की धरती पर हुई, जिसने धर्मेंद्र की सिनेमाई यात्रा को एक खास आयाम दिया। धर्मेंद्र की लोकप्रिय फिल्म 'गुलामी' की शूटिंग 1985 में रामगढ़ शेखावाटी में हुई थी, जबकि 'राजपूत' और 'बंटवारा' जैसी फिल्मों के कई अहम दृश्य उदयपुर, जयपुर और शेखावाटी क्षेत्र की लोकेशनों पर फिल्माए गए। मेरा गांव मेरा देश की शूटिंग उदयपुर के पास चीरवा गांव में हुई थी। समाधि फिल्म भी उदयपुर में फिल्माई गई थी। जयपुर जिले के महार कला, समोद, रडवास और अमरसर जैसे गांवों ने 'मेरा गांव मेरा देश' और अन्य फिल्मों के कई यादगार सीन्स को अपनी पृष्ठभूमि दी।राजस्थान की ग्रामीण बनावट, मिट्टी और रेतीला परिदृश्य धर्मेंद्र की फिल्मों के माहौल के साथ इतनी सहजता से घुल-मिल गया कि आज भी दर्शकों को उनके दृश्य स्पष्ट याद हैं।

धर्मेंद्र की शुरुआती फिल्मों में शामिल 'बड़ा आदमी' (1961) की शूटिंग जयपुर जंक्शन पर की गई थी। जोधपुर और जयपुर के किलों में 'धर्मवीर' फिल्म के एक्शन दृश्य फिल्माए गए। इसके अलावा 'बागी', 'लोहा' और 'फूल और पत्थर' जैसी फिल्मों के कई सीन राजस्थान की अनोखी लोकेशनों पर शूट किए गए, जो इन फिल्मों की खासियत बन गए।

फिल्मी संबंधों से आगे बढ़कर धर्मेंद्र को राजस्थान में कला और संस्कृति के क्षेत्र में भी सम्मान मिला। उन्हें राजस्थान इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में लाइफ टाइम अचीवमेंट अवॉर्ड से सम्मानित किया गया था। उनकी लोकप्रियता का एक दिलचस्प पहलू यह भी है कि जयपुर के मशहूर राज मंदिर सिनेमा में निर्माण के बाद जो पहली फिल्म लगी थी, वह धर्मेंद्र की 'चरस' थीऔर यह फिल्म हाउसफुल रही।

फिल्मी दुनिया के साथ-साथ धर्मेंद्र का राजनीतिक जुड़ाव भी राजस्थान से मजबूती से रहा। वे बीकानेर से सांसद चुने गए और यहां के लोगों से गहरा आत्मीय रिश्ता बनाए रखा। धर्मेंद्र सिर्फ बड़े पर्दे के हीरो नहीं थे, बल्कि अपनी सरलता, विनम्रता और सहज स्वभाव की वजह से भी लोगों के दिलों पर राज करते थे। उनके निधन के साथ भारतीय सिनेमा ने एक ऐसे कलाकार को खो दिया है।

रिश्तेदारों पर रोब झाड़ने के लिए बने फेक पुलिस, 3 गिरफ्तार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

झालावाड़। जिला पुलिस अधीक्षक अमित कुमार के निर्देशानुसार जिले में बढ़ रहे अपराधों पर अंकुश लगाने के लिए चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत भवानीमंडी पुलिस को एक बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने फर्जी पुलिस इंस्पेक्टर और पुलिसकर्मी बनकर आमजन पर रोब झाड़ने वाले तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। ये आरोपी अपनी निजी कार पर लाल-नीली बत्ती लगाकर घूम रहे थे और खुद को मध्य प्रदेश पुलिस का यातायात इंचार्ज और स्टाफ बता रहे थे।

एसपी कुमार ने बताया कि पुलिस थाना भवानीमंडी की टीम जयपुरीया मिल भवानीमंडी पर गश्त कर रही थी, ने एक संदिग्ध सफेद रंग की अर्टिगा कार को रोका। इस कार पर लाल-नीली बत्ती लगी हुई थी।

चालक बंटी उर्फ रवि ने पूछताछ में खुद को मध्य प्रदेश पुलिस का ट्रैफिक इंचार्ज बताया और अपने साथी अभिषेक व सुनील को स्टाफ बताया। हालांकि उनके हाव-भाव और बोलचाल से संदेह होने पर टीम ने उनसे विभाग का पहचान-पत्र और लाल-नीली बत्ती का वैध अनुज्ञापत्र माँगा। पहचान-पत्र और वैध दस्तावेज़ ना होने से और गहनता से पूछताछ करने पर तीनों घबरा गए। आरोपी बंटी उर्फ रवि ने बताया कि उसने अपनी रिश्तेदारी में हो रही शादी समारोह में रोब जमाने के लिए कार पर लाल-नीली बत्ती लगाई थी और खुद को पुलिस अधिकारी बता रहा था। तीनों आरोपियों के खिलाफ तत्काल कानूनी धाराओं में प्रकरण दर्ज किया गया।

कार्यवाही के दौरान भवानीमंडी थानाधिकारी रमेशचंद मीणा के नेतृत्व में पुलिस ने तीनों फर्जी पुलिसकर्मियों को गिरफ्तार कर लिया और उनके कब्जे से लाल-नीली बत्ती लगी अर्टिगा कार को जब्त कर लिया गया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान बंटी उर्फ रवि बैरवा (37) निवासी माधव नगर उज्जैन एमपी, अभिषेक बैरवा (22) निवासी मंगलापुरी थाना पालम नई दिल्ली और सुनील तोमर (36) निवासी पंवासा उज्जैन एमपी के रूप में हुई है।

प्रदेश सरकार समुचित जलापूर्ति के लिए कृत संकल्पित : पटेल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जोधपुर। विधानसभा क्षेत्र लूणी की ग्राम पंचायत सांगरिया में संसदीय कार्य, विधि एवं विधिक कार्य मंत्री जोगाराम पटेल ने सोमवार को रामदेव कॉलोनी के बाबा रामदेव मंदिर प्रांगण में आयोजित कार्यक्रम में 144.24 लाख रूपये की पेयजल परियोजनाओं का विधिवत शिलान्यास किया।

पटेल ने कहा हमारे मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के कुशल नेतृत्व में प्रदेश सरकार समुचित जलापूर्ति के लिए कृत संकल्पित होकर कार्य कर रही है। उन्होंने कहा आज जिन कार्यों का शिलान्यास किया गया है, वे सभी कार्य तय समयावधि में पूर्ण होंगे और आगामी ग्रीष्म ऋतु में रामदेव नगर,गणेश नगर, राधाकृष्णा विहार,अमरावती नगर में समुचित जलापूर्ति सुनिश्चित होगी। संसदीय कार्य मंत्री ने कहा सांगरिया क्षेत्र के समग्र विकास के लिए कई महत्वपूर्ण योजनाएँ कार्यान्वित की जा रही हैं। क्षेत्र की प्रत्येक कॉलोनी में पेयजल व्यवस्था को सुदृढ़ करने के साथ-साथ सड़क निर्माण, रोड लाइट तथा सीवरेज लाइन बिछाने जैसे आधारभूत सुविधाओं के विकास के कार्य चरणबद्ध रूप से पूरे करवाए जाएंगे। उन्होंने कहा इन कार्यों के पूर्ण होने से सांगरिया वासियों को बेहतर मूलभूत सुविधाएँ उपलब्ध होगी। पटेल ने कहा उप-नगरीय सीमा की सभी ग्राम पंचायतों में नगरीय सुविधाओं का विस्तार करते हुए बेहतर आधारभूत संरचना उपलब्ध करवाई जाएगी ताकि ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के बीच विकास का संतुलन स्थापित हो सके। उन्होंने कहा एनएफएसए में पात्र वंचित परिवार का कोई भी सदस्य नाम जुड़वाने के लिए ई-मित्र के माध्यम से आवेदन कर सकता है। उन्होंने कहा लूणी में कोई भी पात्र परिवार एनएफएसए से वंचित नहीं रहेगा। कार्यक्रम में प्रशासक सांगरिया तेजाराम चौधरी, अधीक्षण अभियंता (शहर) राजेन्द्र मेहता, राकेश गोदारा, दिनेश सिंह राजपुरोहित, सुमेर सिंह राजपुरोहित, जितेन्द्र सिंह भांडू, भल्ला राम पटेल, कालूराम भील सहित जनप्रतिनिधिगण एवं अधिकारीगण उपस्थित रहे।

प्रदेश में स्मार्ट पुलिसिंग को मिलेगा बढ़ावा : राजीव शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान पुलिस और राष्ट्रीय रक्षा विश्वविद्यालय, गुजरात के बीच सोमवार को पुलिस मुख्यालय में राष्ट्रीय एवं आंतरिक सुरक्षा के क्षेत्र में अकादमिक, प्रशिक्षण और अनुसंधान सहयोग को मजबूत करने के लिए एक महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए। यह पुलिसिंग में अनुसंधान-आधारित सुधारों और फील्ड स्तर की क्षमताओं को बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। एमओयू के तहत स्मार्ट पुलिसिंग, सुरक्षा नवाचार और पेशेवर क्षमता-विकास के लिए संयुक्त कार्यक्रमों को बढ़ावा दिया जाएगा, जिससे राज्य की आंतरिक और सार्वजनिक सुरक्षा प्रणाली को और अधिक सुदृढ़ बनाया जा सकेगा।

महानिदेशक पुलिस राजीव कुमार शर्मा ने कहा कि राज्य में पुलिसिंग की उत्कृष्टतम प्रथाओं को लगातार अपनाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि रक्षा विश्वविद्यालय द्वारा किए गए नवाचार पूरे देश के लिए उपयोगी सिद्ध हो रहे हैं। विश्वविद्यालय के सहयोग से राजस्थान पुलिस भी और अधिक कुशलता के साथ कार्य कर सकेगी। साथ ही, प्रदेश में पुलिस की कार्यकुशलता और पेशेवर क्षमता में भी उल्लेखनीय वृद्धि होगी। उन्होंने कहा कि इस एमओयू के माध्यम से स्मार्ट पुलिसिंग, साइबर सुरक्षा, डिजिटल फॉरेंसिक तथा आंतरिक सुरक्षा जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में कार्य और अधिक संगठित तथा प्रभावी ढंग से संपादित किए जा सकेंगे। साथ ही, बड़ी घटनाओं के दौरान आवश्यकता पड़ने पर विशेषज्ञों की विशेषज्ञता का लाभ भी लिया जा सकेगा। शर्मा ने कहा कि राज्य में पुलिस शिक्षा और प्रशिक्षण की गुणवत्ता को राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप बनाने में रक्षा विश्वविद्यालय महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

राष्ट्रीय रक्षा विश्वविद्यालय, गुजरात के वाइस चांसलर प्रो. डॉ. बिमल एन. पटेल ने कहा कि साइबर सुरक्षा के क्षेत्र में विश्वविद्यालय ने आत्मनिर्भरता के साथ कई ऐतिहासिक उपलब्धियाँ हासिल की हैं। उन्होंने कहा कि आरआरयू की अकादमिक और विश्लेषणात्मक विशेषज्ञता, राजस्थान पुलिस की रणनीतिक तथा परिचालन क्षमताओं को और अधिक मजबूत एवं उन्नत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। डॉ. पटेल ने बताया कि अब तक विश्वविद्यालय द्वारा 82 से अधिक देशों के प्रतिनिधियों को प्रशिक्षण प्रदान किया जा चुका है तथा विश्वभर में अनेक प्रशिक्षण कार्यक्रम सफलतापूर्वक आयोजित किए गए हैं। उन्होंने कहा कि एमओयू के बाद राजस्थान पुलिस भी आरआरयू के विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रमों और कोर्सों का लाभ आसानी से ले सकेगी। इस दौरान उन्होंने विश्वविद्यालय के कार्यों, अनुसंधान गतिविधियों तथा संचालित विभिन्न कार्यक्रमों के बारे में विस्तृत जानकारी भी साझा की।

कार्यक्रम में महानिदेशक पुलिस(प्रशिक्षण एवं यातायात) अनिल पालीवाल ने स्वागत उद्बोधन देते हुए एमओयू के माध्यम से प्राप्त होने वाले लाभों का विस्तृत और सारगर्भित विवरण प्रस्तुत किया। एमओयू पर राजस्थान पुलिस की ओर से उप महानिरीक्षक पुलिस, प्रशिक्षण, शरद चौधरी तथा राष्ट्रीय रक्षा विश्वविद्यालय की ओर से डीन अविनाश खारेल ने हस्ताक्षर किए।

इस दौरान महानिदेशक पुलिस, कानून एवं व्यवस्था संजय कुमार अग्रवाल सहित वरिष्ठ पुलिस अधिकारी उपस्थित रहे। उल्लेखनीय है कि राष्ट्रीय रक्षा विश्वविद्यालय, गुजरात राष्ट्रीय सुरक्षा, आंतरिक सुरक्षा, पुलिस प्रशासन, साइबर सुरक्षा एवं डिजिटल फॉरेंसिक जैसे क्षेत्रों में अग्रणी भूमिका निभा रहा है। इस एमओयू से पुलिस शिक्षा की गुणवत्ता तथा प्रशिक्षण प्रणाली और अधिक सुदृढ़ हो सकेगी। विशेष प्रशिक्षण और विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से पुलिस प्रशिक्षकों और अधिकारियों की दक्षता और कौशल को और अधिक सुदृढ़ किया जा सकेगा। इस समझौते से फैकल्टी सदस्यों, पुलिस अधिकारियों एवं शोधकर्ताओं के लिए विनिमय कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे, जिससे साइबर सुरक्षा, डिजिटल फॉरेंसिक, आतंकवाद विरोधी रणनीति तथा खुफिया प्रबंधन जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में ज्ञान एवं सर्वोत्तम प्रथाओं को साझा किया जा सकेगा। संयुक्त अनुसंधान परियोजनाओं एवं नवाचारों से साक्ष्य आधारित पुलिसिंग, डेटा-आधारित रणनीतियों और नीति निर्माण को बढ़ावा मिल सकेगा। राजस्थान पुलिस के अधिकारी एवं कर्मचारी आरआरयू के अकादमिक कार्यक्रमों के माध्यम से उच्च शिक्षा के अवसर प्राप्त कर सकेंगे, जिससे उनके व्यावसायिक विकास एवं कैरियर उन्नति में सहायता मिलेगी।

कोटा हाड़ौती में पर्यटन असीम संभावनाएं : रूकमणी रियाड़

जयपुर। होटल फेडरेशन ऑफ राजस्थान (एचएफआर) कोटा डिविजन द्वारा कोटा हाड़ौती ट्रैवल मार्ट के लिए एमओयू पर हस्ताक्षर और प्री-समिट कार्यक्रम सोमवार को यहां आरटीडीसी होटल गणगौर में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में पर्यटन, हॉस्पिटैलिटी और ट्रैवल सेक्टर से जुड़े दिग्गज प्रतिनिधियों, संघ पदाधिकारियों और उद्योग हितधारकों की उल्लेखनीय उपस्थिति रही, जिससे हाड़ौती के पर्यटन भविष्य का मजबूत संदेश गया। एमओयू पर हस्ताक्षर पर्यटन आयुक्त रूकमणी रियाड़ व एचएफआर के अध्यक्ष हुसैन खान द्वारा किए गए। समारोह का शुभारंभ परंपरागत दीप प्रज्वलन से हुआ। इसके पश्चात एचएफआर कोटा डिविजन की ओर से हाड़ौती ट्रैवल मार्ट 2026 की रूपरेखा, आयोजन की मुख्य विशेषताएँ, संभावित प्रदर्शन क्षेत्रों और हाड़ौती के पर्यटन संसाधनों पर विस्तृत प्रस्तुति दी गई। आगामी 2 से 4 जनवरी 2026 को निर्धारित यह ट्रैवल मार्ट कोटा, बूंदी, झालावाड़ और बारां जिलों के समृद्ध इतिहास, प्राकृतिक सुंदरता, वास्तुकला, जल विरासत, कला-संस्कृति और साहसिक पर्यटन को केंद्र में रखकर आयोजित किया जाएगा। पर्यटन आयुक्त रूकमणी रियाड़ ने इस अवसर पर अपने उद्बोधन में कहा कि राजस्थान सरकार पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए एक नई पहल करते हुए पहली बार कोटा हाडौती ट्रैवल मार्ट-2026 का आयोजन 2 से 4 जनवरी 2026 को कोटा में किया जा रहा है।

राहुल ने कांग्रेस के ओबीसी नेताओं के साथ पिछड़ों के मुद्दों पर मंथन किया

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने सोमवार को अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) से ताल्लुक रखने वाले पार्टी के कुछ प्रमुख नेताओं के साथ बैठक कर ओबीसी से जुड़े मुद्दों पर मंत्रणा की। पार्टी की संसदीय दल की प्रमुख सोनिया गांधी के आवास '10 जनपथ' पर हुई इस बैठक में कांग्रेस महासचिव सचिन पायलट, ओडिशा के प्रभारी अजय कुमार लल्लू, कांग्रेस के ओबीसी विभाग के प्रमुख अनिल जयहिंद तथा कुछ अन्य नेता मौजूद थे।

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने बिहार विधानसभा चुनाव में पार्टी तथा महागठबंधन की करारी हार के कुछ दिनों बाद कांग्रेस के ओबीसी नेताओं के साथ बैठक की। सूत्रों ने बताया कि कांग्रेस के ओबीसी विभाग के प्रमुख अनिल जयहिंद ने अपने विभाग के कार्यक्रमों और संपर्क कार्यक्रमों के बारे में विस्तार से बताया। सूत्रों का कहना है कि करीब एक घंटे तक चली बैठक में ओबीसी से संबंधित प्रमुख मुद्दों जैसे आरक्षण की 50 प्रतिशत की सीमा को हटाने और जाति जनगणना की आवश्यकता पर विचार-विमर्श किया गया। उन्होंने कहा कि बैठक के दौरान ओबीसी को सशक्त बनाने के महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा की गई और भविष्य की रूपरेखा पर बात की गई।

ओडिशा के खुर्दा में नाबालिग से सामूहिक दुष्कर्म

भुवनेश्वर/भाषा। ओडिशा के खुर्दा जिले में 16 वर्षीय दलित लड़की को कथित तौर पर अगवा कर उससे सामूहिक बलात्कार किया गया। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि नाबालिग के माता-पिता ने 19 नवंबर को गुमशुदगी की शिकायत दर्ज कराई थी, क्योंकि वह पिछले दिन स्कूल से घर नहीं लौटी थी।

पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि लड़की की मां ने बाद में पुलिस में नई शिकायत दर्ज कराई, जिसमें आरोप लगाया गया कि उसके एक पुरुष मित्र और उसके साथियों ने उससे बलात्कार किया। उन्होंने बताया कि लड़की यहां कैपिटल अस्पताल में भर्ती है और उसकी हालत स्थिर बताई जा रही है। अधिकारी ने कहा, उसे पहले 20 नवंबर को खुर्दा जिला मुख्यालय अस्पताल में भर्ती कराया गया था। तबीयत बिगड़ने पर उसे कैपिटल अस्पताल में स्थानांतरित कर दिया गया। अधिकारी ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया, हमने लड़की के पुरुष मित्र सहित 10 से अधिक लोगों से पूछताछ की है, लेकिन अभी किसी को गिरफ्तार नहीं किया है, क्योंकि उनकी संलिप्तता स्थापित नहीं हुई है। इस बीच, विपक्षी पार्टी बीजू जनता दल (बीजद) और कांग्रेस ने इस घटना को लेकर भाजपा नीत सरकार की आलोचना की और दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की। विपक्ष के नेता नवीन पटनायक ने 'एक्स' पर कहा, सरकार को जागना चाहिए...दोषियों के खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई की जानी चाहिए। कांग्रेस नेता पृथ्वी बल्लभ पटनायक ने आरोप लगाया कि भाजपा नीत सरकार के शासन में महिलाओं के खिलाफ अत्याचार बढ़ रहे हैं, क्योंकि वह कोई ठोस कदम नहीं उठा रही है।

कई बार आप योजनाओं को सही तरह से लागू नहीं कर पातेः वाशिंगटन

गुवाहाटी/भाषा। वाशिंगटन सुंदर और मार्को यानसेन में सोमवार को एक बात समान थी। दोनों का मानना है कि ऋषभ पंत की रणनीति अच्छी थी लेकिन उसे लागू करने में थोड़ी कमी रही। भारत के कार्यवाहक कप्तान पंत जब सात रन बनाकर खेल रहे थे तब यानसेन की शॉर्ट गेंद पर विकेटकीपर को कैच दे बैठे जो तीसरे दिन के खेल के दौरान चर्चा का विषय बना रहा। इससे पहले ध्रुव जुरेल ने भी गेंदबाज के खिलाफ गैरजरूरी पुल शॉट खेलकर मिड ऑन पर कैच थमाया। समान सवाल पर यानसेन जैसा ही जवाब देते हुए वाशिंगटन ने कहा, ''किसी और दिन गेंद स्टैंड में चली जाती और हम सब तारीफ करते और ताली बजाते। ऐसा ही होता है। कभी-कभी आपको उनकी योजना और कौशल का समर्थन करना होता है।'' उन्होंने कहा, ''यह देखते हुए कि उन्होंने पहले भी बहुत सारे उदारहण पेश किए हैं। मुझे लगता है कि यह सिर्फ उनके कौशल का समर्थन करने के बारे में है। जाहिर है कि योजना को उस तरह लागू नहीं किया जा सकता जिस तरह हम चाहते थे।'' भारत के बड़ा स्कोर बनाने में नाकाम रहने के बावजूद वाशिंगटन ने कहा कि पिच बल्लेबाजी के लिए अच्छी है। उन्होंने कहा, ''यह बहुत अच्छा विकेट है। आपको इस तरह के विकेट पर अधिक बल्लेबाजी करने को नहीं मिलती, विशेषकर भारत में। सच कहूं तो यह एक जीवंत विकेट है। अगर आप क्रीज पर समय बिताओगे तो रन बनाओगे।''

अयोध्या में राम मंदिर पर भगवा झंडा फहराएंगे प्रधानमंत्री आज

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/अयोध्या/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी मंगलवार को अयोध्या का दौरा करेंगे और श्री राम जन्मभूमि मंदिर के शिखर पर भगवा ध्वज फहराएंगे, जो इसके निर्माण के पूरा होने का प्रतीक होगा।

प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) के एक बयान में कहा गया है कि समकोण त्रिभुजाकार ध्वज की ऊंचाई 10 फुट और लंबाई 20 फुट है। इस पर एक दीप्तिमान सूर्य की तस्वीर है जो भगवान राम के तेज और वीरता का प्रतीक है। इस पर 'ॐ' अंकित है और कोविदार वृक्ष की तस्वीर भी है। पीएमओ ने कहा कि पवित्र भगवा ध्वज गरिमा, एकता और सांस्कृतिक निरंतरता का संदेश देगा और राम राज्य के आदर्शों का प्रतीक होगा। उसने कहा कि यह ध्वज पारंपरिक उत्तर भारतीय नागर वास्तुशैली में निर्मित 'शिखर' के शीर्ष पर फहराया जाएगा, जबकि इसके चारों ओर 800 मीटर लंबा परकोटा दक्षिण भारतीय वास्तुशैली में डिजाइन किया गया है, जो मंदिर की वास्तुशिल्प विविधता को दर्शाता है। प्रधानमंत्री मोदी अयोध्या में अपने प्रवास के दौरान सप्तमंदिर जाएंगे, जहां महर्षि वशिष्ठ, महर्षि विश्वामित्र, महर्षि अगस्त्य, महर्षि वाल्मीकि, देवी अहिल्या, निषादराज गुहा और माता शबरी से जुड़े मंदिर हैं। इसके बाद वे शेषावतार मंदिर जाएंगे। बयान में कहा गया है कि वह माता अन्नपूर्णा मंदिर भी जाएंगे और राम दरबार गर्भ गृह में दर्शन और पूजन करेंगे, जिसके बाद वह रामलला गर्भ गृह में दर्शन करेंगे। पीएमओ के एक बयान में कहा गया है कि दोपहर करीब 12 बजे, प्रधानमंत्री मोदी अयोध्या में पवित्र श्री राम जन्मभूमि मंदिर के 'शिखर' पर भगवा ध्वज फहराएंगे, जो मंदिर के निर्माण के पूरा होने और सांस्कृतिक उत्सव और राष्ट्रीय एकता के एक नए अध्याय की शुरुआत का प्रतीक होगा। इस मौके पर प्रधानमंत्री भी लोगों को संबोधित करेंगे। पीएमओ के बयान में कहा गया है, यह कार्यक्रम मार्गशीर्ष महीने के शुक्ल पक्ष की शुभ पंचमी तिथि को होगा, जब श्री राम और मां सीता की विवाह पंचमी का अभिजीत मुहूर्त भी है।

एसआईआर पर शोर मचाने वाले दलों के मन में चोरः केशव प्रसाद मौर्य

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान को लेकर विपक्षी दलों पर निशाना साधते हुए सोमवार को कहा कि ''एसआईआर को लेकर शोर मचाने वाले दलों के मन में चोर है।''

बिहार विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सह प्रभारी रहे उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) पर शोर मचाने वाले दलों के 'मन में चोर' है। बिहार ने साबित कर दिया है कि उनका पक्ष कमजोर है।'' बिहार के हाल के विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नीत राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) ने प्रचंड जीत हासिल की और 'इंडिया' गठबंधन के दलों को बहुत पीछे छोड़ दिया। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी और समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव समेत विपक्षी दलों के नेताओं ने एसआईआर को लेकर लगातार सरकार और निर्वाचन आयोग पर आरोप लगाया है।

समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने शनिवार को एक संवाददाता सम्मेलन में आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार और निर्वाचन आयोग मिलकर साजिश के तहत उन विधानसभा क्षेत्रों में एसआईआर के बहाने 50 हजार से अधिक वोट काटने की तैयारी कर रहे हैं, जहां 2024 में लोकसभा चुनाव में सपा और 'इंडिया' गठबंधन जीते थे। उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री यादव ने कहा, ''निर्वाचन आयोग से हम अपेक्षा करते हैं कि वह निष्पक्ष रहेगा और यह संस्था हमारी हर शिकायत का निराकरण करेगी, लेकिन यह सुनने में आ रहा है कि भाजपा और आयोग 2024 की हार के बाद सबसे ज्यादा पश्चिम बंगाल और उत्तर प्रदेश पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं।''

एसआईआर पर विपक्ष का रुख घुसपैठियों को बचाने वालाः केंद्रीय मंत्री नित्यानंद राय

पटना/भाषा। केंद्रीय गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने सोमवार को आरोप लगाया कि मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) पर सवाल उठाकर विपक्ष ''घुसपैठियों को बचाने'' की कोशिश कर रहा है।

यहां राय ने संवाददाताओं से कहा कि राहुल गांधी जैसे नेताओं का रुख ''तुष्टीकरण की राजनीति'' से प्रेरित है और यह ''राष्ट्रीय हितों की अनदेखी'' करता है। उन्होंने कहा, ''राहुल गांधी एसआईआर पर सवाल उठा रहे हैं, बिना यह समझे कि यह प्रक्रिया लोकतंत्र को मजबूत करने के लिए जरूरी है। चाहे बिहार हो, पश्चिम बंगाल हो या कोई अन्य राज्य, घुसपैठियों को निकालना अनिवार्य है।'' बिहार विधानसभा चुनाव को देखते हुए इस राज्य में एसआईआर कई अन्य राज्यों से पहले कराया गया। इस व्यापक प्रक्रिया के दौरान 60 लाख से अधिक नाम हटाए गए, जिनमें वे लोग शामिल थे जो या तो मर चुके थे या दूसरे स्थानों पर जा चुके थे। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की बिहार इकाई के पूर्व अध्यक्ष राय ने कहा, ''जो घुसपैठिए देश में आए और फर्जी दस्तावेजो के सहारे मतदाता सूची में शामिल हो गए, वे भूमि पर कब्जा कर लेते हैं और असली नागरिकों के अधिकार वाले संसाधनों का उपयोग करते हैं।'' उन्होंने आरोप लगाया, ''तुष्टीकरण की राजनीति के कारण विपक्षी दल घुसपैठियों को बचाने का प्रयास कर रहे हैं। यह राष्ट्रीय हित में नहीं है और हमारे युवाओं के हितों के खिलाफ है।''

एसएससी विवादः शिक्षक अभ्यर्थियों ने 'पक्षपातपूर्ण' अंक योजना और भर्ती में देरी को लेकर किया प्रदर्शन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। पश्चिम बंगाल स्कूल सेवा आयोग द्वारा नौवीं और 10वीं कक्षा में शिक्षकों की भर्ती के लिए एसएलएसटी परिणाम प्रकाशित करने के दिन सोमवार को नौकरी के इच्छुक अभ्यर्थियों के दो समूहों ने सोमवार को ''अवैध'' अंक योजना और भर्ती में देरी को लेकर अलग-अलग विरोध मार्च निकाले। हजारों एसएससी अभ्यर्थियों ने उत्तरी कोलकाता के सियालदह स्टेशन से एक मार्च निकाला, कई पुलिस बैरिकेड्स को तोड़ दिए और अपने गंतव्य मध्य कोलकाता के एस्प्लेनेड क्षेत्र तक पहुंचने के लिए पुलिसकर्मियों से भिड़ गए।

यह झड़प तब हुई, जब पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को एस्प्लेनेड तक उनके नियोजित मार्ग पर मार्च करने की अनुमति देने से इनकार कर दिया और उन्हें सीआईटी रोड पर रामलीला मैदान की ओर मोड़ने की कोशिश की, जिसे प्रदर्शनकारियों ने स्वीकार करने से इनकार कर दिया। खबर लिखे जाने तक आंदोलनकारी अभ्यर्थी एस्प्लेनेड क्रॉसिंग पर धरना दे रहे थे, जिससे मुख्य चौराहे पर यातायात बाधित हो गया। नए अभ्यर्थियों ने पूर्व नियुक्त शिक्षकों को दिए गए अनुभव-आधारित 10 अंकों को रद्द करने की मांग की, जिनकी नियुक्ति नौकरी घोटाले के मामले में अदालत ने रद्द कर दी थी। इसके अलावा आंदोलनकारी अभ्यर्थियों ने सभी ओएमआर शीट का सार्वजनिक प्रदर्शन और एक लाख अतिरिक्त शिक्षण पदों का सृजन किए जाने की भी मांग की। एक प्रदर्शनकारी ने कहा, ''हम गैरकानूनी तरीके से दिए जा रहे 10 अंकों के खिलाफ अपना आंदोलन जारी रखेंगे। हमने परीक्षा आवेदन शुल्क का भुगतान करने के लिए दिन-रात ट्यूशन पढ़ाया और अब पूरे अंक प्राप्त करने के बावजूद हम पात्र नहीं हैं।''

वहीं, एक अलग प्रदर्शन में 2016 के उच्च प्राथमिक भर्ती बैच के सैकड़ों अभ्यर्थियों ने साल्ट लेक स्थित करुणामयी चौक से राज्य शिक्षा विभाग मुख्यालय विकास भवन तक मार्च निकाला और लंबे समय से लंबित नियुक्ति प्रक्रिया को पूरा करने की मांग की।

आंतरिक रूप से विस्थापित लोगों की सुरक्षा बलों के साथ झड़प

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

इंफाल/भाषा। इंफाल में राहत शिविरों में रह रहे आंतरिक रूप से विस्थापित (आईडीपी) सैकड़ों लोगों की सोमवार को इंफाल पूर्वी जिले के पुखाओ और दोलाईथाबी बांध के पास सुरक्षा बलों के साथ झड़प हो गई, जब वे अपने घरों को लौटने की कोशिश कर रहे थे। यह जानकारी अधिकारियों ने दी।

राहत शिविरों में रह रहे इकोउ, दोलाईथाबी और येंगखुमान इलाकों के आईडीपी ने अपने घरों की ओर जाने की कोशिश की, लेकिन सुरक्षा बलों ने उन्हें रोक दिया। उन्होंने बताया कि सुरक्षा बलों ने प्रदर्शनकारियों को तितर-बितर करने के लिए आंसू गैस के गोले छोड़े। आंतरिक रूप से विस्थापित लोगों ने दावा किया कि सालाना संगाई त्योहार हो रहा है, राज्य में हालात सामान्य हो गए हैं, ऐसे में उन्हें अपने घर लौटने की इजाज़त दी जानी चाहिए। एस. कुमारजीत मेइती नाम के प्रदर्शनकारी ने कहा, ''हम अधिकतर किसान हैं। हमें अपने घर छोड़ने के लिए मजबूर किया गया, जिसके बाद हमारी रोज़ी-रोटी पूरी तरह से बंद हो गई है। अब जब सरकार ने कहा है कि हालात सामान्य हो गए हैं। हमारी मांग है आंतरिक रूप से विस्थापित लोगों को उनके घर लौटने दिया जाए। हम कब तक राहत शिविरों में बंद रहेंगे। सुरक्षा बल हमें राहत शिविर में रहने के लिए मजबूर करने के बजाय उग्रवादियों से क्यों नहीं निपट सकते।'' एक अधिकारी ने कहा कि आक्रोशित प्रदर्शनकारियों ने सुरक्षा बलों के साथ हाथापाई की और उन इलाकों की ओर बढ़ गए जिन्हें सबसे संवेदनशील क्षेत्र में से एक माना जाता है, जिसके बाद उन्हें तितर-बितर करने के लिए आंसू गैस के गोले दागने पड़े।

तेज प्रताप ने दीपक प्रकाश को मंत्री बनाये जाने पर तंज कसा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/भाषा। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) प्रमुख लालू प्रसाद यादव के पुत्र एवं जनशक्ति जनता दल (जेजेडी) संस्थापक तेज प्रताप यादव ने राष्ट्रीय लोक मोर्चा प्रमुख उपेंद्र कुशवाहा के पुत्र दीपक प्रकाश को बिना चुनाव लड़े मंत्री बनाये जाने पर बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर तंज कसा है।

तेज प्रताप यादव ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''सासाराम में जमानत जब्त कराने वाले निर्दलीय प्रत्याशी रामनारायण पासवान के काउंटिंग एजेंट (मतगणना एजेंट) बने दीपक प्रकाश बिना चुनाव लड़े नीतीश सरकार में मंत्री बन गए। है ना मोदी-नीतीश का जादू?'' तेज प्रताप यादव ने अपनी पोस्ट में दीपक प्रकाश के परिचय पत्र की तस्वीर भी डाली है। इसके अनुसार दीपक प्रकाश सासाराम विधानसभा सीट से निर्दलीय उम्मीदवार रामायण पासवान के 'काउंटिंग एजेंट' थे। पासवान को पूरी चुनाव प्रक्रिया में केवल 327 वोट मिले और उनकी जमानत जब्त हो गई।

इसी सीट से दीपक की मां स्नेहलता कुशवाहा राष्ट्रीय लोक मोर्चा (रालोमो) के टिकट पर चुनाव जीतकर विधायक बनीं। चुनाव के दौरान दीपक की मां स्नेहलता कुशवाहा के उम्मीदवार होने और बेटे के 'काउंटिंग एजेंट' रहने की चर्चा पहले ही राजनीतिक गलियारों में सुर्खियों में रही थी।

एसआईआर के डर से बांग्लादेश वापसी को मजबूर

हकीमपुर सीमा का दौरा करेंगे बंगाल के राज्यपाल

कोलकाता/भाषा। प्रदेश में जारी मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के मद्देनजर बांग्लादेश से सैकड़ों अवैध प्रवासियों की जारी घर वापसी (रिवर्स माइग्रेशन) की खबरों पर संज्ञान लेते हुए, पश्चिम बंगाल के राज्यपाल सी.वी. आनंद बोस वहां जमीनी स्थिति का प्रत्यक्ष जायजा लेने के लिए उत्तर 24 परगना जिले के स्वरूपनगर में बीएसएफ की सीमा चौकी का दौरा करेंगे।

अधिकारियों ने बताया कि बोस के सोमवार अपराह्न करीब तीन बजे स्वरूपनगर के हकीमपारा इलाके में पहुंचने की उम्मीद है। उन्होंने बताया कि वहां बीएसएफ अधिकारियों के साथ बातचीत के बाद उनका नदिया जिले के कृष्णानगर में रात्रि विश्राम करने और मंगलवार को मुर्शिदाबाद के सीमावर्ती इलाकों का दौरा करने का कार्यक्रम है। बोस ने कोलकाता में संवाददाताओं से कहा, राज्य में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण के बाद अवैध बांग्लादेशी प्रवासियों द्वारा अपने देश लौटने की कोशिशों की मीडिया में आई खबरों की कई व्याख्याएं की जा रही हैं।

बल्लेबाजों के गैर जिम्मेदाराना रवैए से 201 रन पर सिमटा भारत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गुवाहाटी/भाषा। कप्तान ऋषभ पंत सहित प्रमुख बल्लेबाजों के गैर जिम्मेदाराना रवैए से अपने विकेट इनाम में देने के कारण भारतीय टीम सोमवार को यहां अपनी पहली पारी में 201 रन पर सिमट गई जिससे दक्षिण अफ्रीका ने दूसरे और अंतिम टेस्ट मैच में मजबूत शिकंजा कसकर शृंखला में क्लीन स्वीप करने की तरफ मजबूत कदम बढ़ाए।

अपनी पहली पारी में 489 रन बनाने वाले दक्षिण अफ्रीका ने पहली पारी में 288 रन की बढ़त हासिल की। उसने भारत को फॉलोऑन देने की बजाय दूसरी पारी में बल्लेबाजी करना उचित समझा। उसने तीसरे दिन का खेल समाप्त होने तक अपनी दूसरी पारी में बिना किसी नुकसान के 26 रन बनाए हैं और उसकी कुल बढ़त 314 रन की हो गई है।

खराब रोशनी के कारण जब तीसरे दिन का खेल समाप्त घोषित किया गया तब एडेन मार्क्रम 12 और रयान रिकलेटन 13 रन पर खेल रहे थे। भारत का स्कोर एक समय एक विकेट पर 95 रन था लेकिन इसके बाद उसने 27 रन के अंदर छह विकेट गंवा दिए। पिच से कभी कभार उछाल और थोड़ा टर्न मिल रहा है पर वह अभी भी बल्लेबाजी के लिए अनुकूल है लेकिन अधिकतर भारतीय बल्लेबाजों ने गलत शॉट खेल कर अपने विकेट इनाम दिए। इनमें मुख्य रूप से साई सुदर्शन, ध्रुव जुरेल और कप्तान ऋषभ पंत शामिल हैं। दक्षिण अफ्रीका की तरफ से मार्को यानसन सबसे सफल गेंदबाज रहे। दक्षिण अफ्रीका की पहली पारी में 93 रन बनाने वाले इस तेज गेंदबाज ने 48 रन देकर छह विकेट लिए। उन्होंने अपने लंबे कद का अच्छा फायदा उठाकर भारतीय बल्लेबाजों को अपनी शॉर्ट पिच गेंदों से निशाना बनाया। ऑफ स्पिनर साइमन हार्मर (64 रन देकर तीन विकेट) ने उनका अच्छा साथ दिया। मार्क्रम ने पांच कैच लेकर अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

भारतीय और बल्लेबाजों को अपने निचले क्रम के बल्लेबाज वाशिंगटन सुंदर (92 गेंद पर 48 रन) और कुलदीप यादव (134 गेंद पर 19 रन) से सीख लेनी चाहिए जिन्होंने सात विकेट 122 रन पर गिरने के बाद आठवें विकेट के लिए 72 रन जोड़े। उनकी साझेदारी टूटने के बाद भारतीय पारी सिमटने में देर नहीं लगी। यशस्वी जायसवाल (97 गेंदों में 58 रन) ने स्ट्रोक्स से भरपूर अर्धशतक जड़ा, लेकिन हार्मर की एक गेंद ने अचानक उछाल लिया जिस पर वह गच्चा खा गए और यानसन को कैच दे बैठे। केएल राहुल (22) आउट होने वाले पहले बल्लेबाज थे। वह भी जायसवाल के साथ 65 रन की साझेदारी के दौरान अच्छी बल्लेबाजी कर रहे थे लेकिन केशव महाराज और हार्मर की दो गेंद ऐसी थी जिसने सुबह के सत्र का रुख पूरी तरह बदल दिया। पिच में ज्यादा खामियां नहीं थीं और जायसवाल के आकर्षक स्ट्रोक-प्ले ने इसकी पुष्टि की। उन्होंने हार्मर की गेंद को बार-बार लेंथ से स्वीप किया और महाराज की गेंद पर काउ कॉर्नर के ऊपर से छक्का भी जड़ा।

हमारे मौजूदा खिलाड़ियों को शारीरिक तौर पर और बेहतर होना होगा : साइना नेहवाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। ओलंपिक पदक विजेता बैडमिंटन खिलाड़ी साइना नेहवाल ने भारतीय खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय बैडमिंटन की मांगों पर खरा उतरने और प्रदर्शन में निरंतरता लाने के लिए अपनी शारीरिक फिटनेस बेहतर करने की सलाह दी है । लंदन ओलंपिक 2012 की कांस्य पदक विजेता साइना ने बातचीत में बताया कि मौजूदा पीढी के लिए चोटें आम बात हो गई है और महिला एकल खिलाड़ियों की नई जमात में आक्रामकता का अभाव है ।

लीजैंड्स विजन लीगेसी टूर इंडिया के लिए शहर में आई साइना ने कहा ,'' हमें प्रदर्शन में निरंतरता लानी होगी । हमे सात्विक . चिराग, लक्ष्य या सिंधू या आने वाले खिलाड़ियों से लगातार अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद है । हमे नतीजे चाहिए ।'' उन्होंने कहा ,'' उन्हें अच्छे ट्रेनर और फिजियो देखने चाहिए । अगर शरीर सौ फीसदी फिट है तो कोचिंग कठिन नहीं है । लगातार खिताब जीतने के लिए शरीर को मजबूत बनाने की कवायद में अधिक ट्रेनर और फिजियो पर फोकस करना होगा ।'' साइना ने कहा ,'' विक्टर एक्सेलसेन ने यही किया और कैरोलिना मारिन ने भी । मानसिक तैयारी तो सभी की अच्छी होती है लेकिन शारीरिक तौर पर और बेहतर होने की जरूरत है ।''

लक्ष्य सेन ने 2025 सत्र में पहला खिताब जीता जब उन्होंने ऑस्ट्रेलियाई ओपन सुपर 500 फाइनल में जापान के युशी तनाका को हराया ।

सुविचार

कर्म का मतलब है कि अपने जीवन को आपने खुद बनाया है। कर्मों का संग्रह या तो विकास की प्रक्रिया बन सकता है या एक बोझ बन सकता है - चुनाव आपको करना है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

सिंध के बिना अधूरा है हिंद

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सिंध के साथ भारत के संबंधों के बारे में जो बयान दिया है, उससे इस्लामाबाद में खलबली मच गई है। हमें याद रखना चाहिए कि सिंध के बिना हिंद अधूरा है। सिंध के साथ भारत का जो सांस्कृतिक संबंध है, उसे तोड़ा नहीं जा सकता। राजनाथ सिंह का यह कथन कि 'आज सिंध की भूमि भारत का हिस्सा भले ही न हो, लेकिन सभ्यता की दृष्टि से यह हमेशा भारत का हिस्सा रहेगी ... जहां तक जमीन की बात है, सीमाएं तो बदल सकती हैं, क्या पता कल को सिंध फिर से भारत में वापस आ जाए', यहूदियों की उस प्रतिज्ञा की याद दिलाता है, जो उस समुदाय के लोग वर्षों तक करते रहे। आखिरकार उन्हें अपने पूर्वजों की भूमि मिली। सिंध में हिंदू और जैन समुदाय के प्राचीन मंदिर हैं। आज उनमें से ज्यादातर पर अतिक्रमण हो चुका है। वहां शहरों, गांवों और रास्तों के नाम बदले जा चुके हैं। सिंध की पहचान को नष्ट करने के लिए पाकिस्तान सरकार और उसके कट्टरपंथी पूरा जोर लगा रहे हैं। वहां हर साल सैकड़ों हिंदू बच्चियों के जबरन धर्मांतरण और निकाह कराने की घटनाएं हो रही हैं। सिंध को बचाने के लिए उसका दोबारा हिंद के साथ मिलना जरूरी है। वर्ष 1947 में देशविभाजन के कारण जो सिंधी हिंदू यहां आए थे, उन्हें यह कभी नहीं भूलना चाहिए कि हमारे पूर्वजों की भूमि हमसे छीनी गई थी। विभाजन की एक कृत्रिम रेखा हमें उससे अलग नहीं कर सकती। आज नहीं तो कल, सिंध को वापस आना ही है।

राजनाथ सिंह के बयान के बाद पाकिस्तानी विदेश मंत्रालय की प्रतिक्रिया – 'ऐसे बयान एक विस्तारवादी हिंदुत्व सोच को दिखाते हैं ... हम राजनाथ सिंह और अन्य भारतीय नेताओं से अपील करते हैं कि वे ऐसे उकसावे वाले बयान न दें, जो क्षेत्रीय शांति और स्थिरता को खतरे में डालते हैं', अत्यंत हास्यास्पद है। जिस मुल्क की बुनियाद ही कट्टरपंथ, हिंसा, नफरत और भेदभाव पर टिकी है, उसका विदेश मंत्रालय 'हिंदुत्व' की आलोचना कर रहा है! जिसके नेता, सैन्य अधिकारी, कट्टरपंथी और आतंकवादी आए दिन जम्मू-कश्मीर को हड़पने की बातें करते हैं, जो पूरे हिन्दुस्तान पर अपनी हुकूमत थोपने के ख्वाब देखते रहते हैं, वे 'विस्तारवाद' की शिकायत कर रहे हैं! ये दोहरे मापदंड क्यों? राजनाथ सिंह के बयान में उकसावे वाला कोई तत्त्व नहीं है। वे सिंध के सांस्कृतिक एवं ऐतिहासिक पहलू के बारे में बता रहे थे। कोई व्यक्ति इस सच्चाई को कैसे झुठला सकता है? उकसावे वाले बयान तो पाकिस्तानी सेना प्रमुख जनरल आसिम मुनीर देते हैं। उनके ऐसे ही एक बयान के बाद पहलगाम में आतंकवादी हमला हुआ था। पाकिस्तानी विदेश मंत्रालय उस पर क्या कहेगा? आज पाकिस्तान क्षेत्रीय शांति और स्थिरता की बात कर रहा है! उसने इनकी परवाह कब की थी? अफगानिस्तान, भारत, ईरान में हुईं कई आतंकवादी घटनाओं के तार इस्लामाबाद से क्यों जुड़े थे? शांति के बारे में बातें करना पाकिस्तान को शोभा नहीं देता। इसके हुक्मरान एक हाथ में रक्तरंजित छुरा लेकर दूसरे हाथ से शांति के कबूतर उड़ा रहे हैं। ऐसा दशकों तक होता रहा, लेकिन अब भारतवासी हकीकत जान चुके हैं। पाकिस्तान किसी के साथ भी शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व को स्वीकार नहीं कर सकता, क्योंकि उपद्रव और अशांति इसकी जड़ों में मौजूद हैं। भारत की ओर से सख्त सैन्य कार्रवाई और लगातार आर्थिक दबाव से ही इस पड़ोसी देश में कुछ सुधार की आशा की जा सकती है।

आज पाकिस्तान क्षेत्रीय शांति और स्थिरता की बात कर रहा है! उसने इनकी परवाह कब की थी? अफगानिस्तान, भारत, ईरान में हुईं कई आतंकवादी घटनाओं के तार इस्लामाबाद से क्यों जुड़े थे? शांति के बारे में बातें करना पाकिस्तान को शोभा नहीं देता।

ट्वीटर टॉक

भारतीय दृष्टिबाधित महिला क्रिकेट टीम ने पहले ब्लाइंड टी-20 वर्ल्ड कप का खिताब जीतकर देश को गौरवान्वित किया है। पूरे टूर्नामेंट में अजेय रहते हुए टीम ने शानदार प्रदर्शन किया, जो उनकी कड़ी मेहनत, एकजुटता और दृढ़ संकल्प का प्रतीक है।

-अर्जुनराम मेघवाल

उनके स्वस्थ होने के लिए करोड़ों प्रशंसकों ने प्रार्थनाएँ कीं, किंतु होनी को कुछ और ही मंजूर था। भारतीय सिनेमा जगत ने अपने सबसे ख़ूबसूरत और ज़िंदादिल अभिनेता को खो दिया। धर्मेंद्र जी ने सिनेमा जगत में अभिनय की शारीरिक भाषा बदल दी थी। वे हर किरदार में जंचते थे।

-गजेन्द्र सिंह शेखावत

कांग्रेस शासन का पूरा कार्यकाल ही पर्चियों, दलालों और बिचौलियों पर टिका था। आज डोटासरा ही पर्चियों की बात करें, यह बहुत बड़ी विडंबना है। भाजपा सरकार में न पर्चा चलती है, न पैरवी, केवल लोकतांत्रिक प्रक्रिया, नियम और पारदर्शिता चलती है।

-मदन राठौड़

प्रेरक प्रसंग

वाणी की वाचालता

राजा सोमदत्त का निधन हुआ, और राज्य का सारा भार अब राजकुमार तरुण दत्त पर आ पड़ा। तरुण अभी तक पिता की मृत्यु के सदमे से उबर नहीं पाया था और बहुत उदास रहता था। एक दिन उसने मंत्री को बुलाकर कहा, 'मंत्री जी, अब हम राज-काज संभालना चाहते हैं। कृपया हमें कुछ काम की और ज्ञान की बातें बताएं। हमारे गुण-दोष भी बताएं, ताकि हमें शासन करने में आसानी हो।' मंत्री सोचने लगे, 'जिसे अब तक राजकार्य का कोई अनुभव नहीं, उसे मैं क्या समझाऊं?' फिर भी उन्होंने राजकुमार से कहा, 'महाराज, व्यावहारिकता यही है कि जब भी बोलें, सोच-समझ कर बोलें या फिर चुप रहें। वाणी के वाचाल हमेशा ही परेशानी में पड़ते हैं। आपके गुण-दोष समय आने पर बताऊंगा।' राजकुमार ने अनुभवी मंत्री की बात को ध्यान से सुना और चुपचाप उचित समय की प्रतीक्षा करने लगा। एक दिन, राजकुमार और मंत्री शिकार पर गए लेकिन कोई शिकार हाथ नहीं लगा। शाम होते-होते दोनों ने अपने घोड़ों को महल की ओर मोड़ लिया। तभी एक झाड़ी में छिपा तीतर कुछ आवाजें निकालने लगा। राजकुमार ने तीतर की आवाज सुनी, और तुरंत झाड़ी की ओर तीर चला दिया, जो तीतर को जा लगा और वह वहीं गिरकर मर गया।

सामयिक

श्रीराम की नगरी में ध्वजारोहण : सनातन परंपरा के पुनर्जागरण का क्षण

महेन्द्र तिवारी

मोबाइल : 9989703240

अयोध्या एक बार फिर इतिहास के ऐसे मोड़ पर खड़ी है, जहाँ धर्म, संस्कृति और राष्ट्रीय चेतना एक साथ संगठित होकर एक नए युग का संकेत दे रहे हैं। 25 नवंबर 2025 को श्रीराम जन्मभूमि मंदिर के शिखर पर भगवा धर्मध्वज का ध्वजारोहण उसी चेतना का उत्सव है-एक धार्मिक आयोजन से कहीं अधिक, यह भारत की आत्मा में निहित सनातन परंपरा और उसके पुनर्जागरण का उद्घोष है। जो दृश्य उस दिन अयोध्या के आकाश में उकेरा जाएगा, वह केवल मंदिर की ऊँचाइयों तक सीमित नहीं रहेगा; वह करोड़ों भारतीयों के मन, विश्वास और स्मृतियों में अमिट रूप से अंकित होगा। श्रीराम जन्मभूमि का पुनर्निर्माण अपने आप में एक लंबी सांस्कृतिक यात्रा का परिणाम है। 5 अगस्त 2020 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा रखी गई आधारशिला ने जिस परिवर्तन की शुरुआत की थी, उसे 22 जनवरी 2024 को रामलला की प्राण प्रतिष्ठा ने एक व्यापक आध्यात्मिक आयाम प्रदान किया। लगभग पाँच वर्षों की सतत साधना, निर्माण और संगठित प्रयासों के बाद मंदिर अपने पूर्ण रूप में खड़ा हुआ। अब, जब शिखर पर धर्मध्वज फहरने वाला है, यह न केवल निर्माण की भौतिक पूर्णता का प्रतीक है, बल्कि उस सांस्कृतिक संकल्प की परिणति भी है, जो सदियों से भारतीय समाज में जीवित रहा-चाहे समय कितना कठिन क्यों न रहा हो।

मंदिर के शिखर पर धर्मध्वज फहराना कोई साधारण परंपरा नहीं। सनातन धर्म की मान्यता में ध्वज देवता की उपस्थिति, ऊर्जा और संरक्षण का चिन्ह माना जाता है। गरुड़ पुराण सहित विभिन्न ग्रंथ इस परंपरा के महत्व को स्पष्ट करते हैं। अयोध्या में फहराया जाने वाला भगवा ध्वज वीरता, त्याग और संकल्प का रंग लिए हुए है-रघुकुल की उस गौरवशाली विरासत का प्रतीक, जिसमें सत्य और मर्यादा को सर्वोच्च स्थान प्राप्त है। ध्वज पर अंकित सूर्य इक्ष्वाकु वंश की निरंतरता का प्रतीक है, ॐ समस्त ब्रह्मांड की चेतना का, और कोविदार वृक्ष अयोध्या की सांस्कृतिक स्मृति का। ये तीनों प्रतीक मिलकर एक ऐसी पहचान निर्मित करते हैं, जो आधुनिक भारत को अपनी जड़ों से जोड़ती है।

ध्वजारोहण का दिन, 25 नवंबर, संयोगवश विवाह पंचमी भी है। परंपरा के अनुसार इसी तिथि पर त्रेतायुग में प्रभु राम और माता सीता का विवाह संपन्न हुआ था। यह तिथि विवाह, सामंजस्य और पवित्र संबंधों का प्रतीक है। ऐसे पावन दिन मंदिर के शिखर पर धर्मध्वज का आरोहण समाज को संतुलन, शांति और धर्म की पुनर्स्थापना का संदेश देता है। यही कारण है कि यह आयोजन केवल धार्मिक रस्म नहीं लगता, बल्कि सामाजिक और सांस्कृतिक उत्सव का भी रूप ले लेता है।

ध्वज का निर्माण और उसकी संरचना भी आधुनिक भारत के तकनीकी आत्मविश्वास की झलक देती है। इसे मजबूत पैराशूट फैब्रिक से तैयार किया गया है ताकि यह तेज हवाओं में भी अडिग लहराता रहे। 42 फुट ऊँचे लोहे के ध्वजदंड को 360 डिग्री घूमने वाली बॉल बेयरिंग तकनीक से सुसज्जित किया गया है, जो गतिशीलता और अनुकूलनशीलता का प्रतीक है। यह ध्वज केवल किसी धार्मिक स्थल पर फहरने वाला निशान नहीं, बल्कि एक ऐसी जीवंत सांस्कृतिक धुरी है, जो

परिवर्तन के साथ भी अपनी आत्मा को स्थिर रखती है-एक ऐसा धर्मचक्र जो रुकता नहीं, बदलता है और प्रेरित करता है।

इस भव्य आयोजन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की उपस्थिति इसे राष्ट्रीय महत्व का स्वर देती है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और देशभर के संत-महंतों एवं विद्वानों की मौजूदगी इसे आध्यात्मिक और सांस्कृतिक नेतृत्व का समागम बनाती है। जब इतने विविध पक्ष एक मंच पर एक ही उद्देश्य के लिए एकत्र होते हैं, तो यह केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं रहता-यह समाज में एकता, समरसता और साझा मूल्यों की पुनर्पुष्टि भी बन जाता है।

ध्वजारोहण का राजनीतिक आयाम भी अनदेखा नहीं किया जा सकता। यह आयोजन उस सांस्कृतिक राजनीति का हिस्सा है, जिसने भारत में अपनी जड़ों की ओर लौटने की एक नई धारणा को जन्म दिया है। लंबे समय तक विभाजन, दमन और वैचारिक संघर्षों के बाद भी भारतीय समाज ने अपनी सांस्कृतिक पहचान को सँजोकर रखा, और आज वह पहचान पुनः सार्वजनिक जीवन में पूरी शक्ति और सक्रियता के साथ उभर रही है। कुछ आलोचक इसे राजनीतिकरण कह सकते हैं, लेकिन लाखों लोगों के लिए यह आत्मसम्मान, सांस्कृतिक पुनरुत्थान और इतिहास की न्यायपूर्ण पुनर्स्थापना का क्षण है। अयोध्या का यह ध्वजारोहण विश्वभर के रामभक्तों के लिए भी एक अनोखा संदेश लेकर आएगा। जब भगवा ध्वज मंदिर के शिखर पर लहराएगा, तब यह केवल एक शहर का दृश्य नहीं होगा, बल्कि उन सभी लोगों के लिए एक प्रतीक होगा जो भारत की आध्यात्मिक विरासत से जुड़ाव महसूस करते हैं। यह ध्वज याद दिलाएगा कि धर्म पूजा-पाठ का विषय भर नहीं; यह जीवन का अनुशासन, समाज का नियमन और राष्ट्र की आत्मा का प्राण है। इस क्षण के साथ भारतीय सभ्यता के मूल्यों का एक नया अध्याय आरंभ होगा, जो न केवल धार्मिक भावनाओं को, बल्कि सामूहिक चेतना को भी सुदृढ़ करेगा।

अंततः यह आयोजन केवल एक ध्वज के फहरने का दृश्य भर नहीं है। यह एक लंबी प्रतीक्षा, संघर्ष, विश्वास और सांस्कृतिक पुनर्जागरण का फल है। यह वह क्षण है जब इतिहास वर्तमान से मिलता है और भविष्य के लिए मार्ग प्रशस्त करता है। अयोध्या का यह उत्सव हमें याद दिलाता है कि परंपराएँ केवल अतीत का बोझ नहीं, बल्कि भविष्य की दिशा भी होती हैं। श्रीराम जन्मभूमि के शिखर पर फहराया जाने वाला धर्मध्वज आने वाली पीढ़ियों को भी यही संदेश देगा-धर्म, मर्यादा, समरसता और सत्य की विजय सनातन है।

मुद्दा

क्या एआई मन की भावनाएं भी पढ़ सकता है?

अमित बैजनाथ गर्ग

मोबाइल : 78770 70861

इन दिनों आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस यानी एआई का बहुत बोलबाला है। आए दिन एआई को लेकर कुछ ना कुछ सामने आ रहा है। कभी वीडियो को लेकर तो कभी अनुवाद और लेखन के संदर्भ में कुछ ना कुछ पढ़ने और देखने को मिल जाता है। कहा जा रहा है कि एआई सब कुछ करने में समर्थ है। एक नया शब्द सामने आया है भावनात्मक एआई और उसका भविष्य। रिसर्च कहते हैं कि भावनात्मक एआई का भविष्य उज्ज्वल है। उनका मानना है कि जैसे-जैसे यह तकनीक बेहतर होती जाएगी, हम देखेंगे कि एआई हमारे साथ और अधिक सहज तरीकों से बातचीत करेगा। एआई न केवल बुनियादी भावनाओं को, बल्कि उन गहरी और जटिल भावनाओं को भी ग्रहण करेगा, जो हमारे अनुभवों को आकार देती हैं। यह प्रगति मशीनों के साथ हमारी बातचीत के तरीके को पूरी तरह से बदल सकती है। कहा यह भी जा रहा है कि एआई की यह तकनीक मशीनों को मानवीय भावनाओं की व्याख्या करने और उन पर प्रतिक्रिया देने में सक्षम बनाती है। परिणामस्वरूप, बातचीत अधिक स्वाभाविक हो जाती है। कुछ समय पहले तक एआई केवल डाटा प्रोसेसिंग या निर्णय लेने जैसे कार्यों तक ही सीमित था। आज यह वाणी, टेक्स्ट और चेहरे के भावों में भावनात्मक संकेतों को समझने के लिए विकसित हो रहा है, जिससे बातचीत ज्यादा मानवीय लगने लगी है। भावनाएं हमारे हर काम को आकार देती हैं, हमारे द्वारा चुने गए विकल्पों से लेकर दूसरों के साथ हमारे जुड़ाव तक। एआई को भावनाओं को पहचानना और उन पर प्रतिक्रिया देना सिखाकर हम ग्राहक सेवा और मानसिक स्वास्थ्य जैसे क्षेत्रों में व्यक्तिगत और सहानुभूतिपूर्ण अनुभव बना सकते हैं। ऐसा मैं नहीं कह रहा हूं, बल्कि एआई एक्सपर्ट मानते हैं।

एक्सपर्ट का मानना है कि एआई के विकास में जटिल भावनाओं को समझने की क्षमता भी विकसित हुई। मशीन लर्निंग और प्राकृतिक भाषा प्रसंस्करण में हुई प्रगति की बदौलत एआई अब साधारण भावनाओं की पहचान से आगे बढ़ गया है। यह निराशा, व्यंग्य और सहानुभूति जैसे सूक्ष्म संकेतों को पहचान सकता है। आज एआई मानवीय भावनाओं के सूक्ष्म विवरणों को बेहतर ढंग से समझने में सक्षम होता जा रहा है। यह सिर्फ इस बात पर निर्भर नहीं करता कि क्या कहा जा रहा है, बल्कि यह भी कि कैसे कहा जा रहा है। एआई अब आवाज, चेहरे के भावों और यहां तक कि वाणी की लय में भावनात्मक बदलावों को भी पहचान सकता है। इससे उसे किसी व्यक्ति की भावनाओं को और गहराई से समझने में मदद मिलती है। बुनियादी भावना पहचान से लेकर संदर्भ और जागरूक व्याख्या तक कि इस छलांग ने एआई के साथ हमारी बातचीत को किसी दूसरे व्यक्ति से बात करने जैसा बना दिया है। भावनात्मक एआई तकनीक के साथ हमारी बातचीत के तरीके में क्रांति ला रहा है। जहां तक स्वास्थ्य सेवा के क्षेत्र की बात है, तो इसमें भावनात्मक एआई मानसिक स्वास्थ्य सहायता के क्षेत्र में बदलाव ला रहा है। आभासी साथी रोगियों को अपनी भावनाओं को नियंत्रित करने में मदद करते हैं और टेलीमेडिसिन सत्रों के दौरान स्वास्थ्य सेवा पेशेवरों के लिए बहुमूल्य जानकारी प्रदान करते हैं। वहीं मनोरंजन और गेमिंग उद्योग भी इसका लाभ उठा रहे हैं। खेलों और फिल्मों में एआई चालित पात्र खिलाड़ियों या दर्शकों की भावनाओं के अनुकूल ढल सकते हैं, जिससे अधिक आकर्षक और यथार्थवादी अनुभव बनते हैं। इसके अलावा कार्यस्थल पर भावनात्मक एआई कर्मचारियों की भलाई पर नजर रखता है, बर्नआउट के लक्षणों का पता लगाता है और उत्पादकता बढ़ाने वाले सहायक वातावरण को बढ़ावा देता है। जैसे-जैसे भावनात्मक एआई हमारे दैनिक जीवन का हिस्सा बनता जा रहा है, यह महत्वपूर्ण चुनौतियां और नैतिक प्रश्न भी उठा रहा है। एक बड़ी चिंता एआई द्वारा भावनाओं की गलत व्याख्या करने का जोखिम है। मानवीय भावनाएं जटिल होती हैं। जब एआई गलत व्याख्या करता है, तो इससे निराशाजनक या हानिकारक अनुभव भी हो सकते हैं, जिससे उपयोगकर्ताओं को गलत समझे जाने का अहसास होता है। इसमें निजता भी एक बड़ी चिंता का विषय है। भावनाओं और व्यक्तिगत डाटा पर नजर रखने की संवेदनशील प्रकृति का मतलब है कि मजबूत सुरक्षा के बिना इस जानकारी का दुरुपयोग हो सकता है। एक और चुनौती एआई प्रणालियों में पूर्वाग्रह की है। ये अक्सर विभिन्न संस्कृतियों, भाषाओं और व्यक्तिगत अनुभवों में भावनाओं की सटीक व्याख्या नहीं कर पाते, जिसके परिणामस्वरूप गलत व्याख्या हो जाती हैं।

हमें इस बात को भी स्वीकार करना होगा कि एआई में भावनात्मक हेरफेर का भी खतरा है। उदाहरण के लिए मार्केटिंग के क्षेत्र में एआई का इस्तेमाल मुनाफे के लिए भावनाओं का शोषण करने के लिए किया जा सकता है। वहीं फैसलों को ऐसे तरीके से प्रभावित किया जा सकता है, जो उपयोगकर्ता के सर्वोत्तम हितों के अनुरूप न हों। इससे गंभीर नैतिक चिंताएं पैदा होती हैं। खासकर जब एआई का इस्तेमाल पारदर्शिता या निष्पक्षता के बिना व्यवहार को प्रभावित करने के लिए किया जाता है। जैसे-जैसे हम भावनात्मक एआई को अपनाते हैं, इन चुनौतियों का सावधानीपूर्वक सामना करना महत्वपूर्ण हो जाता है। साथ ही यह सुनिश्चित करना भी आवश्यक हो जाता है कि यह नैतिक सीमाओं को पार किए बिना हमारे जीवन को बेहतर बनाए।

एआई में तकनीक से जुड़ने के हमारे तरीके को बदलने की क्षमता है, जिससे हमें और अधिक व्यक्तिगत अनुभव प्राप्त होंगे। एआई हमारी भावनाओं को सही मायने में समझे और उन पर प्रतिक्रिया दे, जिससे मशीनों के साथ बातचीत किसी विचारशील साथी के साथ बातचीत जैसी लगे। अपनी तमाम संभावनाओं के साथ एआई की अपनी चुनौतियां भी हैं। भावनाओं को गलत समझने, निजता की चिंता, पूर्वाग्रह और दुरुपयोग के प्रलोभन का जोखिम है। ये वास्तविक नैतिक बाधाएं हैं, जिन पर हमें इस तकनीक के विकास के साथ ध्यान देने की आवश्यकता है। एआई का भविष्य संतुलन पर आधारित है। यह केवल भावनात्मक रूप से बुद्धिमान प्रणालियां बनाने के बारे में नहीं है। यह सुनिश्चित करने के बारे में है कि उनका उपयोग जिम्मेदारी, सावधानी और सम्मान के साथ किया जाना चाहिए।

बड़ा सवाल यह है कि क्या एआई भावनाओं को पढ़ और समझ सकता है? इस सवाल का जवाब एक उदाहरण से समझने की कोशिश करते हैं। हाल ही में मेरा एक बहुत बड़े अखबार के संपादक से मिलना हुआ। उन्होंने इन दिनों पत्रकारिता में हो रहे एआई के उपयोग के बारे में बताया। उनका कहना था कि एआई की मदद से अब लेखन और संपादन बहुत आसान हो गया है। वे मुझे एआई, चैटजीपीटी और केन्वा के उपयोग के बारे में बताने और समझाने लगे। उन्होंने मुझे बहुत सारी बातें बताईं। आखिर में उन्होंने कहा कि एआई में गलतियों की संभावना भी बहुत कम है। उनका स्पष्ट मानना था कि अगर आज के पत्रकार को एआई और चैटजीपीटी का उपयोग करना नहीं आया है, तो वह आज की पत्रकारिता में फिट नहीं है यानी कि वह समय से बहुत पीछे चल रहा है। मुझे उनकी कुछ बातें ठीक लगीं। मैंने उनसे एक सवाल किया। वह सवाल यह था कि क्या एआई भावनाएं पढ़ सकता है? क्या एआई किसी स्टोरी को बहुत भावुक और संवेदनशील स्टाइल में लिख सकता है? वे सोच में पड़ गए। उन्होंने मुझसे ही मेरे सवाल का जवाब पूछ लिया। फिर मैंने उन्हें बताया कि एआई भावनाएं नहीं पढ़ सकता और ना ही किसी स्टोरी को भावुक और संवेदनशील स्टाइल में लिख सकता है। एआई इंसानी कमांड पर निर्भर है। जहां तक लेखन और संपादन की बात है, तो एआई भी भरपूर गलतियां करता है। इस बात को हमें समझना होगा। आखिर में मेरा यही कहना है कि एआई इंसानी भावनाओं को नहीं पढ़ सकता और ना ही वह इन्हें शब्द दे सकता है। तकनीक का प्रयोग अच्छी बात है, लेकिन उस पर पूरी तरह निर्भर होना ठीक नहीं है। तकनीक कभी भी इंसान से आगे नहीं जा सकती। तकनीक कितनी भी समुन्नत क्यों न हो जाएं, आदमी के दिमाग को पीछे नहीं छोड़ सकती, क्योंकि तकनीक को इंसान ने बनाया है। यह बात हमें समय रहते समझनी होगी।

नजरिया

आत्मनिर्भर भारत का सबसे बड़ा उत्सव है ट्रेड फेयर

योगेश कुमार गोयल

मोबाइल : 9416740584.

14 नवंबर से 27 नवंबर 2025 तक दिल्ली के प्रगति मैदान में 45वां भारत अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेला भव्य रूप में आयोजित हो रहा है। साल दर साल यह मेला न केवल देश के व्यापार को बढ़ावा देता है बल्कि भारत की विविध संस्कृति, कला, तकनीक और नवाचार को भी दुनिया के साथ साझा करने का सबसे बड़ा मंच बन चुका है। प्रगति मैदान में हर वर्ष लगने वाला यह अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेला देश की आर्थिक, सांस्कृतिक और तकनीकी प्रगति का जीवंत उत्सव है। यह वह मंच है, जहां भारत अपने भीतर छिपी विशाल संभावनाओं, विविधताओं और नवाचारों को दुनिया के सामने पूरी ऊर्जा और भव्यता के साथ प्रस्तुत करता है। इस वर्ष आयोजित किया जा रहा 45वां भारत अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेला कई मायनों में अत्यंत खास है। यह केवल खरीदारी का मौका नहीं बल्कि हर आगंतुक के लिए सीख, अनुभव, मनोरंजन और वैश्विक सामंजस्य का अनूठा संगम बन चुका है। एक भारत, श्रेष्ठ भारत' की थीम के साथ यह आयोजन देश की सांस्कृतिक एकता, तकनीकी क्षमता, आत्मनिर्भरता की भावना और वैश्विक स्तर पर भारत की बढ़ती भूमिका को नई पहचान देता है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा इस मेले को आत्मनिर्भर भारत का उत्सव' कहना अपने आप में इस आयोजन की महत्ता को दर्शाता है। यह वास्तव में वही स्थान है, जहां भारत दुनिया से मिलता है, दुनिया भारत को समझती है और दोनों मिलकर नए विचारों और नए अवसरों का मार्ग प्रशस्त करते हैं। यही कारण है कि यह मेला दक्षिण एशिया का सबसे बड़ा बी2बी और बी2सी मंच बन चुका है, जहां कारोबार, तकनीक, परंपरा, निवेश, नवाचार और संस्कृति सब एक ही स्थान पर आकार लेते हैं। इस वर्ष मेले में 11 देशों ने भागीदारी की है, जिनमें चीन, थाईलैंड, मलेशिया, दक्षिण कोरिया, तुर्किये, मिस्र, लेबनान, ईरान, यूएई, स्वीडन और ट्यूनीशिया शामिल हैं। इन देशों की भागीदारी न केवल अंतर्राष्ट्रीय व्यापार संबंधों को मजबूत बनाती है बल्कि भारत के युवाओं, उद्यमियों और उद्योगों के लिए सीखने और सहयोग के नए द्वार खोलती है। विदेशी स्टॉलों पर तकनीक, फैशन, कृषि, इलैक्ट्रॉनिक्स, कला, होम डेकोर और जीवनशैली से जुड़े उत्पादों का ऐसा अनूठा मिश्रण देखने को मिलता है, जो किसी भी आगंतुक को वैश्विक बाजारों की ताजा हलचल और रुझानों से जोड़ देता है।

भारत के राज्यों की भागीदारी इस मेले की सबसे बड़ी विशेषता है क्योंकि यहां देश की सांस्कृतिक और आर्थिक विविधता एक ही छत के नीचे साकार होती है। इस बार बिहार, राजस्थान, उत्तर प्रदेश और महाराष्ट्र पार्टनर स्टेट हैं जबकि झारखंड को 'फोकस स्टेट' का विशेष दर्जा दिया गया है।

इन राज्यों के मंडपों में कला, लोककला, परंपरागत शिल्प, कृषि आधारित नवाचार, औद्योगिक प्रगति, पर्यटन, स्वास्थ्य, शिक्षा, स्टार्टअप इकोसिस्टम और सरकारी योजनाओं की झलक मिलती है। यह वह मौका है, जब आगंतुक केवल देखते नहीं बल्कि समझते भी हैं कि भारत की सच्ची ताकत उसकी विविधता में है और यही विविधता उसे वैश्विक मंच पर सबसे अलग बनाती है। मेले के हॉलों में इस बार अत्याधुनिक तकनीक से लेकर परंपरागत कला तक सब कुछ देखने को मिलेगा। इलैक्ट्रॉनिक्स, साइबर सुरक्षा, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, स्टार्टअप इनोवेशन, वस्त्र, मसाले, हस्तशिल्प, एमएसएमई उत्पाद, खादी और ग्रामीण विकास से जुड़े हजारों उत्पाद प्रदर्शित किए जा रहे हैं। हॉल 8, 9 और 10 में 'सरस मेला' देशभर की स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं को अपने उत्पादों को प्रदर्शित करने का बड़ा अवसर देता है। यहां ओडीओपी (वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रॉडक्ट) की झलक भी देखने को मिलती है, जो स्थानीय उत्पादों को राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर नई पहचान देने का महत्वपूर्ण प्रयास है।

खादी और ग्रामोद्योग आयोग, आयुष मंत्रालय, रेलवे, आरबीआई, एलआईसी, एनसीईआरटी, पीएमबीआई और कई अन्य प्रमुख सरकारी संस्थाएं भी इस मेले में अपने नवाचार और सेवाओं के माध्यम से देश की प्रगति को दर्शाती हैं। यह मेला वास्तव में भविष्य की दिशा दिखाता है, एक ऐसा भारत, जो परंपरा को भी संभाले हुए है और आधुनिक तकनीक के साथ कदम से कदम मिलाकर आगे बढ़ रहा है। इस मेले की एक और खासियत इसका सांस्कृतिक वैभव है। रोजाना विभिन्न राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के सांस्कृतिक कार्यक्रम खुले मंचों पर प्रस्तुत किए जाते हैं। लोक संगीत, शास्त्रीय नृत्य, जनजातीय नृत्य, फोक फ्यूजन और पारंपरिक कला का अनूठा मेल न केवल वातावरण को जीवंत बनाता है बल्कि आगंतुकों को भारत की सांस्कृतिक आत्मा से जोड़ देता है।

महत्त्वपूर्ण

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006. Editor : Bhupendra Kumar (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar. Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law. **Regn No.RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।- **दक्षिण भारत राष्ट्रमत**

हीमैन नहीं, सत्यकाम, अनुपमा, बंदिनी के संवेदनशील अभिनेता थे धर्मेंद्र

नयी दिल्ली/भाषा

धर्मेंद्र को 'हीमैन' की छवि में बांधना शायद उन अभिनेता के साथ अन्याय होगा जो कभी 'सत्यकाम' के सिद्धांतवादी सत्यप्रिय था तो कभी अपनी कैदी से मूक प्रेम कर बैठा 'बंदिनी' का डॉक्टर अशोक तो कभी 'अनुपमा' को साहस देने वाला प्रेमी। वहीं उनके यादगार किरदारों में 'चुपके चुपके' के प्रोफेसर परिमल त्रिपाठी या प्यारेमोहन इलाहाबादी को कौन भूल सकता है। धर्मेंद्र का जिक्र सिर्फ शराब पीकर पानी की टंकी पर चढकर बसंती की मौसी से नाराजगी जताने वाले वीरू या ' कुत्ते मैं तेरा खून पी जाउंगा' कहते नायक के रूप में करना अभिनय में संवेदनशीलता की असाधारण मिसाल देने वाले उनके कई अमर किरदारों के साथ ज्यादती होगी। अस्सी के दशक के 'ही मैन' मार्का किरदारों से इतर साठ सत्तर के दशक में धर्मेंद्र ने बिमल रॉय और ऋषिकेश मुखर्जी जैसे निर्देशकों के साथ भावप्रणव अभिनय की छाप छोड़ी थी। बिमल रॉय की 1963 में आई 'बंदिनी' में कैदी नायिका (नूतन) से प्रेम कर बैठे जेल के डॉक्टर अशोक का किरदार सभी का मन मोह ले गया था। अशोक कुमार और नूतन जैसे दिग्गज कलाकारों की मौजूदगी के बावजूद धर्मेंद्र ने अपनी संक्षिप्त लेकिन दमदार भूमिका से सभी का ध्यान खींचा। इसके बाद 1966 में सर्वश्रेष्ठ फिल्म का राष्ट्रीय पुरस्कार जीतने वाली ऋषिकेश मुखर्जी की 'अनुपमा' में उन्होंने अपनी स्पष्टवादिता के कारण बेरोजगार रहने वाले लेखक और शिक्षक अशोक की भूमिका निभाई जो नायिका अनुपमा में आत्मविश्वास भरता है। संवाद कम थे लेकिन अभिव्यक्ति की ताकत और व्यक्तित्व की गरिमा ने उस किरदार को इतना लोकप्रिय बनाया कि आज तक सिनेप्रेमियों के जेहन में चस्पा है।

अपनी पत्नी के हिन्दीप्रेमी जीजा को उन्हीं की जबां में सबक सिखाने के लिये बॉटनी के प्रोफेसर परिमल त्रिपाठी से ड्राइवर प्यारेमोहन बने धर्मेंद्र की सादगी, मासूमियत और संवाद अदायगी ने इस फिल्म को हर पीढी की पसंदीदा बना दिया। भाषा के इर्द गिर्द बनी इस फ़िल्म में शुद्ध हिंदी बोलने का नाटक करने वाले धर्मेंद्र के संवाद सिनेप्रेमियों को आज तक याद हैं। वह ख़ुद को ड्राइवर नहीं वाहन चालक बताते हैं, हाथ धोने को हस्त प्रक्षालन , ट्रेन को लौह पथ गामिनी बोलते हैं और यहां तक कहते हैं कि भोजन तो हमने लौह पथ गामिनी स्थल पर ही कर लिया था।

प्रदर्शन

01-जम्मू और कश्मीर पुलिस ने सोमवार को जम्मू में श्री माता वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड के खिलाफ विरोध प्रदर्शन के दौरान बजरंग दल के कार्यकर्ताओं को रोका।

मलेशिया अगले साल 16 साल से कम उम्र के बच्चों के लिए सोशल मीडिया पर प्रतिबंध लगाएगा

कुआलालांपुर/एपी। मलेशिया 2026 से 16 वर्ष से कम आयु के लोगों के सोशल मीडिया अकाउंट पर प्रतिबंध लगाने की योजना बना रहा है। इससे पहले ऑस्ट्रेलिया इस तरह का कदम उठा चुका है। मलेशिया के संचार मंत्री फहमी फादजिल ने रविवार को कहा कि मंत्रिमंडल ने युवाओं को ऑनलाइन तौर पर डराने धमकाने, धोखाधड़ी और यौन शोषण जैसे खतरों से बचाने के व्यापक प्रयास के तहत इस कदम को मंज़ूरी दे दी है। उन्होंने कहा कि सरकार ऑस्ट्रेलिया और अन्य देशों द्वारा अपनाए गए तरीकों का अध्ययन कर रही है और यह भी देख रही है कि क्या पहचान पत्र या पासपोर्ट के माध्यम से उपयोगकर्ताओं की उम्र की इलेक्ट्रॉनिक जांच की जा सकती है। फादज़िल ने कहा, मेरा मानना है कि यदि सरकार, नियामक संस्थाएं और अभिभावक अपनी भूमिका निभाएं, तो हम यह सुनिश्चित कर सकते हैं कि मलेशिया में इंटरनेट न केवल तेज, व्यापक और सस्ता हो, बल्कि सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि यह सुरक्षित हो, खासकर बच्चों और परिवारों के लिए। जनवरी से, मलेशिया में सोशल मीडिया और मैसेजिंग मंचों के लिए लाइसेंस लेना अनिवार्य कर दिया गया है। देश में कम से कम 80 लाख उपयोगकर्ता हैं। यह डिजिटल मंचों पर सरकारी निगरानी को सख्त करने की वृहद प्रक्रिया का हिस्सा है।

कई बड़ी फिल्में बन चुकी हैं, मानवीय पहलू वाली कहानियां बनाने की जरूरत : संजय मिश्रा

पणजी/भाषा

मशहूर अभिनेता संजय मिश्रा का कहना है कि सिर्फ बड़ी फिल्में बनाने के बजाय, जीवन और रिश्तों पर आधारित फिल्में भी बनाने की जरूरत है। भारतीय अंतरराष्ट्रीय फिल्म महोत्सव (इफ्फी) में मिश्रा की फिल्म वध 2 का भव्य प्रीमियर हुआ। यह फिल्म 2022 में रिलीज हुई बहुप्रशंसित फिल्म वध का सीक्वल है, लेकिन ये एक अलग कहानी कहती है। मिश्रा ने इफ्फी से इतर 'पीटीआई-भाषा' से कहा, भारतीय फिल्मों के लिए चीजें नहीं बदली हैं, जैसे कि हमने इफ्फी में अपनी फिल्म 'वध 2' प्रदर्शित की। निर्माता (अच्छी) कहानी चाहते हैं। मैं उन निर्माताओं का सम्मान करता हूं जो हम पर पैसा लगाते हैं और अच्छी फिल्में बनाते हैं। अभिनेता ने कहा, हमें भारत में ऐसी और फिल्में बनाने की जरूरत है, हमें मानवीय पहलू वाली कहानियों पर फिल्में बनाने की जरूरत है। बहुत सी बड़ी-से-बड़ी फिल्में बन रही हैं, लेकिन हमें जीवन और रिश्तों के बारे में फिल्में बनाने की जरूरत है। अभिनेता ने अपनी कुछ बेहतरीन फिल्मों जैसे आंखों देखी, कामयाब और अन्य के लिए निर्माताओं का समर्थन पाने के लिए खुशी जाहिर की। मिश्रा ने कहा, अंकुर गर्ग और लव रंजन जैसे निर्माताओं का होना अच्छी बात है जो हर तरह की फिल्मों का समर्थन कर रहे हैं।

बेटी ईशा देओल को फिल्मी दुनिया में नहीं आने देना चाहते थे धर्मेंद्र

नयी दिल्ली/भाषा

अभिनेता धर्मेंद्र और अभिनेत्री हेमा मालिनी की बेटी ईशा देओल ने एक बार कहा था कि उनके पिता उन्हें फिल्मी दुनिया में शामिल होते नहीं देखना चाहते थे, बल्कि जल्द उनकी शादी करवाना चाहते थे। देओल ने 2024 में 'हॉटरफ्लाई' से कहा, वह (धर्मेंद्र) नहीं चाहते थे कि मैं फिल्मों में आऊं।

वह सही मायनों में रूढ़िवादी थे, क्योंकि वह पंजाबी थे, इसलिए वह चाहते थे कि मैं 18 साल की उम्र में शादी कर लूं और घर बसा लूं। 'कोई मेरे दिल से पूछे' के लिए फिल्मफेयर अवार्ड में 'बेस्ट फीमेल डेब्यू' का पुरस्कार जीतने वाली अभिनेत्री ने कहा कि उनके परिवार में महिलाओं का पालन-पोषण इसी तरह होता है, लेकिन अपनी मां को पर्दे पर देखकर उनमें भी कुछ ऐसा ही करने की इच्छा जगी।

'एक युग का अंत' : फिल्म जगत ने दिग्गज अभिनेता धर्मेंद्र को भावभीनी श्रद्धांजलि दी

नयी दिल्ली/भाषा

अक्षय कुमार, अजय देवगन और करण जौहर समेत कई मशहूर फिल्मी हस्तियों ने सोमवार को धर्मेंद्र को श्रद्धांजलि दी और उन्हें भारतीय सिनेमा का एक सच्चा दिग्गज, पीढ़ियों के लिए प्रेरणा और असली ही-मैन कहकर याद किया। सत्यकाम से लेकर शोले तक 300 से ज्यादा फिल्मों में काम करके मनोरंजन जगत में एक अलग मुकाम हासिल करने वाले दिग्गज अभिनेता धर्मेंद्र का सोमवार को निधन हो गया। वह 89 वर्ष के थे। मुंबई में पुलिस ने धर्मेंद्र के निधन की जानकारी दी। उनके परिवार की ओर से अभी तक इसकी पुष्टि नहीं की गयी है। अक्षय ने दिग्गज अभिनेता की एक तस्वीर साझा करते हुए कहा कि धर्मेंद्र अपनी फिल्मों के जरिए हमेशा जीवित रहेंगे। उन्होंने 'एक्स' पर एक पोस्ट में लिखा, धर्मेंद्र जी ऐसे हीरो थे जो हर युवा लड़का बनना चाहता था... हमारे फिल्म जगत के असली 'ही-मैन', पीढ़ियों को प्रेरित करने के लिए शुक्रिया। आप अपनी फिल्मों और अपने प्यार के जरिए जीवित रहेंगे। ओम शांति। बॉलीवुड अभिनेता अजय ने धर्मेंद्र को उनकी गर्मजोशी और उदारता के लिए याद किया। अजय ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा, उद्योग ने एक दिग्गज खो दिया है... और हमने एक ऐसे व्यक्ति को खो दिया है जिसने हमारे सिनेमा की आत्मा को आकार दिया है। धर्म जी, आपकी आत्मा को शांति मिले, ओम शांति। धर्मेंद्र के निधन पर शोक व्यक्त करते हुए फिल्मकार करण करण ने 'इंस्टाग्राम' पर पोस्ट में कहा, यह एक युग का अंत है... मुख्यधारा के सिनेमा में एक नायक का अवतार... वह भारतीय सिनेमा के एक सच्चे दिग्गज थे, हैं और हमेशा रहेंगे...लेकिन सबसे बढ़कर, वह एक बेहतरीन इंसान थे... उन्हें हमारे फिल्म जगत में सभी बहुत प्यार करते थे। अभिनेता अल्लू अर्जुन ने 'इंस्टाग्राम' पर दिवंगत अभिनेता की एक तस्वीर साझा की और लिखा, दिग्गज अभिनेता धर्मेंद्र जी के निधन की खबर सुनकर गहरा दुख हुआ। एक शानदार अभिनेता जिन्होंने लाखों दिलों को छुआ। परिवार, दोस्तों और प्रशंसकों के प्रति मेरी हार्दिक संवेदना।

अभिनेत्री करीना कपूर और माधुरी दीक्षित ने धर्मेंद्र के निधन पर दुख व्यक्त किया और कहा कि यह फिल्म जगत के लिए एक अपूरणीय क्षति है। आमिर खान के प्रॉडक्शन हाउस ने एक बयान में कहा, आप हमेशा हमारे दिलों में रहेंगे। धरम जी, आपकी आत्मा को शांति मिले। फरहान अख्तर ने धर्मेंद्र के निधन पर दुख जताते हुए कहा कि वह हमेशा प्रशंसकों के दिलों में जीवित रहेंगे। अभिनेता मनोज वाजपेयी ने कहा, धर्मेंद्र मेरे माता-पिता के पसंदीदा और मेरे बचपन के नायकों में से एक थे। सुनील शेट्टी, रणवीर सिंह, वरुण धवन, काजोल, रवीना टंडन, रश्मिका मंधाना, भूमि पेडनेकर और राजपाल यादव ने भी धर्मेंद्र के निधन पर शोक व्यक्त किया।

'धुरंधर' ऐसी फिल्म, जो कहानी कहने का तरीका बदल देगी : गीतिका गंजू

मुंबई/एजेन्सी

आदित्य धर के डायरेक्शन में बनी मोस्ट अवेटेड मल्टीस्टारर फिल्म 'धुरंधर' सिनेमाघरों में रिलीज के लिए तैयार है। एक्शन से भरपूर फिल्म में एक्ट्रेस गीतिका गंजू अहम किरदार में नजर आएंगी। गीतिका का मानना है कि 'धुरंधर' एक ऐसी फिल्म है, जिसे दर्शक काफी पसंद करेंगे। गीतिका गंजू का मानना है कि बहुत कम ऐसी फिल्में आती हैं जो कहानी कहने का तरीका बदल देती हैं और दर्शकों के दिलों पर गहरी छाप छोड़ने में सफल होती हैं। धुरंधर भी ऐसी ही फिल्म है। एक्ट्रेस गीतिका ने को-एक्टर रणवीर सिंह, संजय दत्त, अक्षय खन्ना, आर. माधवन, अर्जुन रामपाल और सारा अर्जुन जैसे स्टार्स के साथ काम करने को शानदार बताया। एक्ट्रेस ने कहा, धुरंधर एक जबरदस्त फिल्म बनने के साथ सिनेमाघरों में छाने को तैयार है। भारत में इस जॉनर को शायद पहले कभी इतनी सच्चाई और स्टाइल के साथ नहीं दिखाया गया। मैं इस प्रोजेक्ट का हिस्सा बनकर बहुत खुश और उत्साहित हूं। फिल्म की तारीफ करते हुए गीतिका ने स्पष्ट कहा, मेरा मानना है कि कुछ ऐसी फिल्म आती है, जो कहानी कहने का तरीका बदल देती है, 'धुरंधर' वैसी ही फिल्म है। गीतिका ने बताया, आदित्य धर और लोकेश धर ने फिल्म के लिए खूब मेहनत की है, जिसका नतीजा स्क्रीन पर दिखेगा। आदित्य धर ने कहानी को बेहद बोल्ड और रियल तरीके से पेश किया है। गीतिका ने आगे कहा कि फिल्म का हर एक एक्टर खास है। राकेश बेदी, रणवीर सिंह और सारा अर्जुन के साथ काम करना उनके लिए यादगार रहा। रणवीर सिंह को एक्शन में देखने का अनुभव शानदार रहा। गीतिका गंजू ने अपनी एक्टिंग से खास पहचान बनाई है। आमिर खान प्रोडक्शंस की 'लाल सिंह चड्ढा', 'म्यूजिक मेरी जान', 'आर्या सीजन 2' और 'तनाव सीजन 2' जैसे सफल प्रोजेक्ट में उन्होंने अपनी छाप छोड़ी है।

धर्मेंद्र के निधन के बाद पंजाब के लुधियाना स्थित उनके पैतृक गांव में शोक

लुधियाना/भाषा

पंजाब के लुधियाना जिले में एक-दूसरे से 30 किलोमीटर से भी अधिक दूर होने के बावजूद डांगो तथा साहनेवाल दो गुमनाम गांवों में एक बात समान है और वो है बॉलीवुड के ही-मैन धर्मेंद्र। इस समय इन दोनों गांव में लोकप्रिय अभिनेता के निधन के कारण शोक लहर फैल गयी है। धर्मेंद्र का सोमवार को 89 वर्ष की आयु में मुंबई में निधन हो गया। उन्होंने 65 साल के अपने फिल्मी करियर में 300 फिल्में की थीं। समाचार चैनलों पर इस महान कलाकार के निधन की खबर फैलते ही डांगो और साहनेवाल में गहरा शोक छा गया।

धर्म सिंह देओल का जन्म 1935 में डांगो गांव में हुआ और उनके पिता केवल किशन सिंह देओल शिक्षक थे, जिनका तबादला होने के बाद वह परिवार के साथ साहनेवाल आकर बस गए थे। धर्मेंद्र के मित्र परमिंदर सिंह के मुताबिक, अभिनेता यहां लोगों से एक आम ग्रामीण की तरह मिलते थे और बॉलीवुड के किसी बड़े सितारे जैसी कोई चमक-धमक नहीं दिखाते थे। धर्मेंद्र के मित्र ने कहा, ''उन्होंने हमें ऐसा महसूस कराया कि वे भी हममें से ही एक हैं।'' लुधियाना में एक बार अभिनेता के परिवार की जमीन पर अवैध रूप से कब्ज़ा कर लिया गया था हालांकि, स्थानीय प्रशासन के सहयोग से वह उसे खाली करवाने में कामयाब रहे। हालांकि धर्मेंद्र अपनी बढ़ती उम्र के कारण इन स्थानों पर बहुत ज्यादा नहीं जाते थे लेकिन गांव वालों का कहना है कि अगर इन गांवों से कोई भी व्यक्ति मुंबई में उनसे मिलने की कोशिश करता था, तो अभिनेता उनसे खुशी-खुशी मिलते थे। धर्मेंद्र पिछले कुछ वक्त से बीमार थे और मुंबई के एक अस्पताल में उनका इलाज चल रहा था। परिवार ने इस महीने की शुरुआत में घर पर ही उनका इलाज जारी रखने का निर्णय लिया था।

वह आठ दिसंबर को 90 वर्ष के हो जाते। धर्मेंद्र की शादी प्रकाश कौर से हुई थी, जिससे उनके चार बच्चे हैं। इनमें दो बेटे अभिनेता बॉबी और सनी देओल तथा दो बेटियां विजेता और अजीता हैं।

साल 1980 में उन्होंने मशहूर अभिनेत्री हेमा मालिनी से शादी कर ली और उस समय कथित तौर पर उनके इस्लाम धर्म अपनाकर शादी करने के दावे थे हालांकि धर्मेंद्र ने इस तरह की अटकलों को खारिज कर दिया था। धर्मेंद्र और हेमा की दो बेटियां- ईशा और अहाना देओल हैं। वह 14वीं लोकसभा में बीकानेर से भाजपा के सांसद थे।

मैडॉक फिल्म्स ने 'इक्कीस' से धर्मेंद्र का पोस्टर जारी किया

नयी दिल्ली/भाषा। फिल्म ''इक्कीस'' के निर्माताओं ने सोमवार को दिग्गज अभिनेता धर्मेंद्र का ''कैरेक्टर पोस्टर'' जारी किया और उन्हें कालजयी अभिनेता बताया। श्रीराम राघवन निर्देशित यह फिल्म 25 दिसंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। फिल्म में धर्मेंद्र एम एल खेतरपाल की भूमिका निभा रहे हैं, जबकि अगस्त्य नंदा अरुण खेतरपाल का किरदार निभा रहे हैं, जो परम वीर चक्र प्राप्त करने वाले सबसे कम उम्र के सैनिक थे। मैडॉक फिल्म्स ने अभिनेता का पोस्टर 'एक्स' पर साझा करते हुए लिखा, पिता, बेटों को बड़ा करते हैं। दिग्गज राष्ट्रों को बड़ा करते हैं। धर्मेंद्र जी, 21 वर्षीय अमर सैनिक के पिता की भावनात्मक भूमिका में, एक कालजयी दिग्गज दूसरे की कहानी लेकर आ रहा है।

सेलिना जेटली का बिना स्क्रीन टेस्ट हुआ था बॉलीवुड में डेब्यू

नई दिल्ली/एजेन्सी

साल 2003 में 'जानशीन' से अपने करियर की शुरुआत करने वाली अभिनेत्री सेलिना जेटली फिल्मी पर्दे से दूर हैं। एक्ट्रेस सोशल मीडिया के जरिए अपने फैंस से कनेक्ट रहती हैं। एक्टिंग से दूर सेलिना सोशल मीडिया पर अपनी मधुर आवाज से फैंस को हैरान करती रहती हैं। वे शौकिया तौर पर गाने गाती हैं। 24 नवंबर को अभिनेत्री 43वां जन्मदिन सेलिब्रेट करेंगी। सेलिना जेटली आर्मी बैकग्राउंड से आती हैं। उनके पिता, मां और इकलौते भाई भारतीय सेना का हिस्सा रहे हैं। उनके पिता, कर्नल वी.के. जेटली और उनकी मां, मीता जेटली, दोनों ने ही भारतीय सेना में अपना योगदान दिया है। सेलिना भी अपने परिवार की छठी पीढ़ी की विरासत को आगे बढ़ाते हुए आर्मी का हिस्सा बनना चाहती थी लेकिन किस्मत ने उन्हें फिल्मों में ला दिया। सैन्य बैकग्राउंड की छाप सेलिना के व्यक्तित्व और विचार पर आज भी देखने के लिए मिलती है। खासकर, अपने माता-पिता को लेकर किए उनके पोस्ट काफी शानदार होते हैं। 2001

सेलिना जेटली के लिए किस्मत बदलने वाला साल था, क्योंकि इसी साल उन्होंने 2001 में फेमिना मिस इंडिया का खिताब जीता था, जिसके बाद वे इसी साल 2001 में मिस यूनिवर्स प्रतियोगिता में चौथी रनर-अप रहीं। साल 2003 में उन्हें पहली फिल्म 'जानशीन' मिली, जिसमें वे एक्टर फरदीन खान के साथ दिखीं, लेकिन बहुत कम लोग ही ये बात जानते हैं कि एक्ट्रेस को अपनी फिल्मों के लिए कभी भी स्क्रीन टेस्ट नहीं देना पड़ा था। उन्हें फिल्में उनके फेमिना मिस इंडिया के बाद मिली लोकप्रियता और उनकी खूबसूरती के आधार पर दी गई थीं।

सेलिना ने कभी भी एक्टिंग की पेशेवर तरीके से ट्रेनिंग नहीं ली थी। उनका मानना था कि एक्टिंग ऐसी चीज है जिसे सिखाया नहीं जा सकता है, ये अंदर से आती है। एक्टिंग में हाथ आजमाने से पहले वे भी आर्मी में जाने का सपना देखती थीं, लेकिन उस वक्त महिलाओं को सिर्फ डॉक्टरी के जरिए ही आर्मी का हिस्सा बनने की अनुमति थी। इसलिए एक्ट्रेस ने डॉक्टर बनने के लिए पीएमटी एग्जामिनेशन भी दिया था और एमबीबीएस की पढ़ाई भी शुरू कर दी थी, लेकिन पढ़ाई पूरी नहीं कर पाई।

अपने करियर में सेलिना जेटली साल 2003 में फिल्म 'खेल,' 2005 में आई कॉमेडी फिल्म 'नो एंट्री,' 2006 में आई 'अपना सपना मनी मनी,' 2008 में आई 'गोलमाल रिटर्न्स,' 2011 में आई 'थैंक यू,' और 2012 में आई 'विल यू मैरी मी' में नजर आई थीं। साल 2011 में ही एक्ट्रेस ने ऑस्ट्रियाई उद्यमी और होटल व्यवसायी पीटर हाग से शादी की थी और एक साल बाद दो जुड़वां बच्चों को जन्म दिया।

वर्धमान साधर्मिक सेवा समिति द्वारा साधार्मिकों में खाद्यान्न का वितरण किया गया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। वर्धमान साधार्मिक सेवा एवं जीव दया समिति द्वारा रविवार को मिंट स्ट्रीट स्थित एसएस जैन संघ स्थानक साहूकार पेट के प्रांगण में 247 वें अनाज एवं खाद्य सामग्री वितरण का आयोजन किया गया। इसके साथ ही वीरांगना सम्मान समारोह का आयोजन वीरेन्द्र मुनि जी, राष्ट्रसंत कमल मुनिजी के पावन सानिध्य में संस्था के अध्यक्ष कमला सज्जन राज मेहता ललिता सुराणा एवं संरक्षक सदस्यों की उपस्थिति में किया गया। कार्यक्रम का संचालन करते हुए महामंत्री ने मुख्य अतिथियों का परिचय दिया। स्वागत गीत एवं पधारे हुए मेहमानों का स्वागत एवं संस्था की गतिविधियां की जानकारी अध्यक्ष कमला सज्जनराज मेहता ने दिया। इस अवसर पर खाद्य सामग्री 150 परिवारों को वितरित किए गए तथा 25 वीरांगनाओं को साड़ी माला एवं घड़ी का उपहार देकर कर सम्मानित किया गया।

मुख्य अतिथि अजीत गोठी ने संस्था के सदस्यों को धन्यवाद देते हुए अनुग्रह राशि की घोषणा करके संघ के सदस्यों का उत्साह बढ़ाया। सभी वीरांगनों को गिफ्ट देकर संस्था संरक्षक सज्जन राज मेहता की ओर से सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर संरक्षक सदस्य श्रेणिक राज नाहर, पारस मल तोलावत, विमला कोठारी, हेमलता संचेती, लीला बेद, एवं सुमेरमल चोरड़िया, देवी सिसोदिया, मंजु चोरड़िया तथा अन्य सदस्यों की उपस्थिति रहे। वीरेंद्र मुनिजी ने भाव भरी मांगलिक सुनाकर सबके हृदय और मन को प्रसन्न चित्त किया।

कार्यक्रम के अंत में संस्था के संरक्षक सज्जन राज मेहता ने सबको धन्यवाद ज्ञापित किया।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

अवार्ड

बेंगलूरु के कर्नाटक बुक्स ऑफ रिकार्ड द्वारा शनिवार को कन्नड़ राज्योत्सव अवार्ड 2025 कार्यक्रम का आयोजन किया जिसमें शहर के अग्रणी शिक्षण संस्थान 'अरिहंत ग्रुप ऑफ इंस्टिट्यूशन' के प्रमुख अशोक नागौरी को शिक्षा के क्षेत्र में उनके विशेष योगदान को देखते हुए 'कर्नाटक विद्या विभूषण अवार्ड' प्रदान किया गया। कार्यक्रम में पूर्व न्यायाधीश व लोकायुक्त संतोष हेगड़े ने नागौरी को अवार्ड प्रदान कर सम्मानित किया।

कपिलमुनि के सान्निध्य में अखंड जाप नववर्ष की महामांगलिक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां मैलापुर स्थित श्री वर्धमान स्थानकवासी जैन संघ में तीन दिवसीय धार्मिक महोत्सव श्री कपिल मुनि जी म.सा. के पावन सान्निध्य में होने जा रहा है। महोत्सव की पावन श्रृंखला का शुभारंभ 31 दिसंबर को 24 घंटे के अखंड जाप से होगा। इस आध्यात्मिक अनुष्ठान की पवित्र तरंगें संपूर्ण समाज में शांति, सुख और मंगल ऊर्जा का संचार करेंगी। इसके उपरांत 01 जनवरी को नववर्ष का विशेष महामंगलिक अत्यंत दिव्य व मंगलमय वातावरण में संपन्न होगा। वर्ष 2026 का यह पहला आध्यात्मिक सत्र श्रद्धालुओं को नए वर्ष के शुभारंभ पर सकारात्मकता और उत्साह प्रदान करेगा।

2 जनवरी को आचार्य श्री हस्तीमल जी म.सा. का जन्म दिवस तथा मरुधर केसरी श्री मिश्रीमल जी म.सा. का 42वां पुण्य स्मरण जप-तप और साधना की भावना के साथ मनाया जाएगा। यह दिवस संघ के लिए विशेष श्रद्धा और प्रेरणा का प्रतीक रहेगा। इस संपूर्ण धार्मिक कार्यक्रम की विनती हेतु मैलापुर संघ के अध्यक्ष शांति चोरड़िया, मंत्री विमलचंद खाबिया, कोषाध्यक्ष इंदरचंद कंकालिया, युवा अध्यक्ष संजय सेठिया, महेंदर बैद तथा दिलीप राका ने पूज्य गुरुदेव के समक्ष विनम्र निवेदन प्रस्तुत किया, जिसे गुरुदेव ने स्नेहपूर्वक स्वीकार किया। यह जानकारी संघ के मंत्री विमलचंद खाबिया द्वारा प्रदान की गई।

विश्व के सभी धर्मों में क्रूरता निषेध है : राष्ट्रसंत कमल मुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां एस एस जैन संघ स्थानक साहूकारपेट में अपने प्रवास के दौरान राष्ट्रसंत कमल मुनि ने अपने दैनिक प्रवचन में कहा कि किसी भी धर्म में क्रूरता को कोई स्थान नहीं है, यह हिंसा की जननी है। क्रूरता अगले का नुकसान करे या ना करें पर अपनी सद्भावना को अवश्य नष्ट कर देता है। उन्होंने ने कहा कि किसी भी प्राणी के प्रति अपने मन में तकलीफ देने के भाव आना धर्म का जनाजा निकालने के समान है। उन्होंने कहा कि देश में सरकार द्वारा बनाया गया पशु क्रूरता एक्ट कानून क्रूर मजाक का शिकार बन गया है प्रशासन की नाक के नीचे उनके मिली भगत से खुलेआम इसका उल्लंघन किया जा रहा है। मुनि कमलेश ने कहा कि खुले आसमान के नीचे सरकारी जमीन पर अवैध रूप से सड़कों पर पशुओं का कत्ल किया जा रहा है। यह अक्षम्य और दंडनीय है। जैन संत ने कहा कि इस प्रकार की क्रूरता से संवेदना समाप्त हो जाती है धार्मिक लोगों की भावना आहत होती है। आज की यात्रा में संस्कार मंच के दिलीप गादिया, गौतम लोढ़ा, अजीत कोठारी, दीपक बाघमार, मैलापुर संघ के अध्यक्ष शांति लाल चोरडिया, मंत्री विमल खाबिया आदि ने सेवा का लाभ लिया।

आईआईटीएफः बिहार पवेलियन में प्रस्तावित सीता माता मंदिर की झलक

नयी दिल्ली/भाषा

राजधानी में आयोजित हो रहे अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेले में बिहार पवेलियन के पास राज्य के सीतामढ़ी जिले में प्रस्तावित 'पुनौरा धाम जानकी मंदिर' की झलक देखी जा सकती है। राज्य के एक बड़े पवेलियन के अंदर, दुनिया भर में मशहूर मिथिला पेंटिंग बड़ी संख्या में हैं, जबकि राज्य के स्वादिष्ट पदार्थ और पर्यटन की जानकारी बच्चों और बड़ों, सभी को अपनी ओर खींच रही है। बिहार पर्यटन के स्टॉल पर कुछ ऐतिहासिक और मशहूर जगहें दिखाई गई हैं, जिनमें गया में महाबोधि मंदिर परिसर है, जो यूनेस्को का विश्व धरोहर स्थल है। इसके अलावा औरंगाबाद का सूर्य मंदिर, दक्षिण बिहार के रोहतास और कैमूर जिलों में बहते झरने, राज्य की राजधानी में पटना साहिब गुरुद्वारा, और नालंदा जिले में पावापुरी जल मंदिर भी इनमें शुमार हैं। गेटवे के पास स्टॉल पर लगे वॉल पैनल पर सीतामढ़ी जिले में प्रस्तावित सीता मंदिर का डिजाइन भी दर्शाते हैं, जिस पर कैप्शन लिखा है - मां जानकी जन्मस्थली पुनौरा धाम्। बिहार पर्यटन की कर्मी नीलम कुमारी ने कहा, सीता माता को समर्पित पुराना मंदिर सीतामढ़ी में है, माना जाता है कि यह उनका जन्मस्थान है। और अब जैसा कि पहले बताया गया था, वहां उन्हें समर्पित एक भव्य मंदिर बनाया जाएगा, इसलिए हमने अपने स्टॉल पर इसका डिज़ाइन दिखाया है।

सम्मान दक्षिण भारत राष्ट्रमत

चेन्नई डिस्ट्रिक्ट कराटे चैंपियनशिप 2025-26 में भटनोखा गांव के होनहार खिलाड़ी सज्जन राजपुरोहित ने अपने बेहतरीन प्रदर्शन से गोल्ड मेडल जीतकर गांव और जिले का नाम रोशन किया। यह प्रतियोगिता 23 नवंबर को मॉनफोर्ट ऑडिटोरियम, मैलापुर में आयोजित हुई, जिसमें देशभर के प्रतिभावान खिलाड़ियों ने भाग लिया। कड़े मुकाबले और रोमांचक राउंड्स के बीच सज्जन ने अद्भुत फुर्ती, मजबूत तकनीक और आत्मविश्वास के साथ प्रतिस्पर्धियों को पछाड़ते हुए जूनियर कराटे में प्रथम स्थान हासिल किया। उनका सम्मान किया गया।

डॉ. गोविंद राजन का सम्मान किया गया।

हिंदी व्याकरण कार्यशाला का हुआ समापन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां चेन्नई हिंदी प्रचारक संघ द्वारा पिछले माह से गतिमान हिंदी व्याकरण कार्यशाला का समापन 23 नवम्बरको फातिमा केन्द्रीय सीनियर सेकेंडरी विद्यालय, सैदापेट में हुआ। प्रचारक संघ के महासचिव जे. अशोक कुमार शास्त्री जैन ने बताया कि इस कार्यशाला में हिंदी प्रचारकों और छात्र-छात्राओं को वरिष्ठ विद्वान डॉ. गोविंदराजन ने बताया कि सरल व सुबोध शैली में हिंदी व्याकरण पढ़ाई। उन्होंने हिंदी में व्याकरण संबंधी त्रुटियों से कैसे बचा जाए बताया। समापन समारोह में व्यंग्यकार बीएल आच्छा मुख्य अतिथि एवं साहित्यकार डॉ. दिलीप धींग विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कवि डॉ. धींग ने महिला-प्रचारकों की उत्साहवर्धक संख्या पर कहा कि तमिलनाडु में समण पत्रियों के संचालन में भी महिलाओं की ऐतिहासिक भूमिका रही थी। इस अवसर पर हिंदी प्रचारक संघ द्वारा 82 वर्षीय डॉ. गोविंदराजन को जीवनपर्यंत उपलब्धि (लाइफटाइम अचीवमेंट) पुरस्कार से नवाजा गया। उन्हें शॉल, सम्मान-पत्र और डॉ. धींग का साहित्य प्रदान करके सम्मानित किया गया। यह पुरस्कार उनके हिंदी हेतु महत्वपूर्ण योगदान एवं अनुवाद कार्य के लिए प्रदान किया गया। वेल्स विश्वविद्यालय में हिंदी विभागाध्यक्ष डॉ. पूर्णिमा ने हिंदी साहित्य का इतिहास बताया। वरिष्ठ प्रचारक भाग्यलक्ष्मी ने बच्चों को हिंदी सीखने की प्रेरणा दी। कार्यशाला में विशेष योग्यता पाने वालों को सम्मानित किया गया। कोषाध्यक्ष पी. षणमुगम ने स्वागत भाषण दिया। संचालन फातिमा एवं जहराना बेगम ने किया। आर. कृष्णमूर्ति ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

डिजिटल रूप में भी पढ़ें दक्षिण भारत हिन्दी दैनिक www.dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

अवार्ड

बेंगलूरु के कर्नाटक बुक्स ऑफ रिकार्ड द्वारा शनिवार को कन्नड़ राज्योत्सव अवार्ड 2025 कार्यक्रम का आयोजन किया जिसमें शहर के अग्रणी शिक्षण संस्थान 'अरिहंत ग्रुप ऑफ इंस्टिट्यूशन' के प्रमुख अशोक नागौरी को शिक्षा के क्षेत्र में उनके विशेष योगदान को देखते हुए 'कर्नाटक विद्या विभूषण अवार्ड' प्रदान किया गया। कार्यक्रम में पूर्व न्यायाधीश व लोकायुक्त संतोष हेगड़े ने नागौरी को अवार्ड प्रदान कर सम्मानित किया।

मायुमं बेंगलूरु ने 1300 लोगों को खिलाया खाना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। मारवाड़ी युवा मंच बेंगलूरु शाखा द्वारा रविवार को राष्ट्रीय सेवा प्रकल्प आनंद सबके लिए के अंतर्गत मासिक सेवा कार्यक्रम अन्नदान 'खुशियों की थाली' का आयोजन यशवंतपुर स्थित शनि महात्मा मंदिर के पास किया गया। पंकज जालान व विनोद गर्ग परिवार के सौजन्य से अन्नदान में 1300 से अधिक जरूरतमंदों को भोजन वितरित किया गया। कार्यक्रम में संयोजक रूपेश केडिया सहित वरिष्ठ सदस्य पंकज जालान, उपाध्यक्ष कन्हैया अग्रवाल, अशु मित्तल, विनोद गर्ग, निखिल अग्रवाल, राकेश केडिया आदि ने सेवा प्रदान की।

जीतो जेबीएन के सदस्यों ने 'सांसेरा इंजीनियरिंग' का दौरा किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। जीतो साउथ यूथ विंग के पगारिया जेबीएन 'आरंभ प्लस' समूह के सदस्यों ने शनिवार को औद्योगिक दौरे के तहत सांसेरा इंजीनियरिंग के संयंत्र का दौरा किया। इस दौरे के दौरान सदस्यों ने तकनीकी शॉप-फ्लोर और उच्च-स्तरीय प्रबंधन की गहन जानकारी प्राप्त की।कॉर्पोरेट ब्रीफिंग और ग्लोबल स्केल क्षेत्र के बारे में अरुण और विजय ने सांसेरा कम्पनी की जानकारी दी। सेशन में एयरोस्पेस, रक्षा और सेमीकंडक्टर्स में सांसेरा की विशेषज्ञता पर जोर दिया गया। सदस्यों ने सांसेरा इंजीनियरिंग के उपाध्यक्ष राकेश एसबी के साथ लीडरशिप इंटरएक्टिव प्रश्न एवं उत्तर सेशन में हिस्सा लिया। सदस्यों ने दो समूह में बंटकर फैक्टरी का दौरा किया तथा 11 से अधिक हाई-टेक मशीनों की जानकारी ली। स्ट्रैटेजिक इनसाइट्स सत्र के दौरान कम्पनी के उपाध्यक्ष राकेश एसबी ने सदस्यों की जिज्ञासाओं का समाधान किया। संयोजक तक्ष जैन के नेतृत्व में चेयरमैन मेहुल श्रीश्रीमाल, कोषाध्यक्ष यश जैन सहित कुल 32 सदस्यों ने दौरा किया।

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006.
Regn No. RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520 **Editor : Bhupendra Kumar** (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar.
Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.